दिव्य दिनकर

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक निडर सच का दर्पण

रांची और पटना से एक साथ प्रकाशित

8

वर्ष 12 अकं :262 रांची (झारखंड) शुक्रवार, 04 जुलाई 2025 पेज - 08 मूल्य: 2 RNI NO- JHAHIN/2013/54373

एक नजर

अमरनाथ यात्राः दूसरा जत्था रवाना, सुरक्षा व्यवस्था के लिए सरकार की तारीफ

जम्मू।

अमरनाथ यात्रा के लिए तीर्थयात्रियों का एक और जत्था गुरुवार को जम्मू से घाटी के लिए रवाना हुआ। दूसरे जत्थे में 5246 तीर्थयात्री शामिल हैं, जिन्हें कड़ी सुरक्षा के बीच जम्मू के कैनाल रोड स्थित भगवती नगर से घाटी के लिए भेजा गया। श्रद्धालुओं ने कहा कि सेना के जवानों ने हमें बहुत अच्छे से भगवती नगर तक पहुंचाया। केंद्र सरकार और जम्मू कश्मीर सरकार की ओर से जो सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, वो बहुत अच्छी हैं। दूसरे जत्थे में कुछ ऐसे भी तीर्थयात्री हैं, जो पहली बार अमरनाथ यात्रा पर जा रहे हैं। उन्होंने भी सुरक्षा के साथ यहां की सुविधाओं की तारीफ की। अधिकारियों ने बताया कि इन तीर्थयात्रियों में से 1993 यात्री बालटाल बेस कैंप जा रहे हैं, जबकि 3253 पहलगाम बेस कैंप जा रहे हैं। तीर्थयात्री बम बम भोले और हर हर महादेव के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़े। बाबा बफानी के दर्शन करने के लिए तीर्थयात्रियों में उत्साह दिखा। उन्होंने सरकार की ओर से मुहैया कराई गई सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्थाओं की तारीफ की। तीर्थयात्रियों ने भारतीय सेना पर पूरा भरोसा जताया। श्रद्धालुओं ने कहा कि वो बहुत खुश हैं,

घाना में पीएम मोदी को सर्वोच्च नागरिक सम्मान, अब तक 24 देशों ने किया सम्मानित

नई दिल्ली।

भारत की बढ़ती वैश्विक साख और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीतिक कुशलता ने देश को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। पीएम मोदी को अब तक 24 देशों से सर्वोच्च सम्मान मिल चुके हैं, जो किसी भी भारतीय नेता के लिए रिकॉर्ड है। इनमें रूस का ह्यऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रूह्ल, यूएई का ह्यजायद मेडलह्ल, फ्रांस का ह्यग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ ऑनरह्ल, मालदीव का ह्यरूल ऑफ इज्जुद्दीनह्ल और नाइजीरिया, साइप्रस, फिजी जैसे देशों के प्रतिष्ठित पुरस्कार शामिल हैं।

घाना की राजधानी अक्रा में देखने को मिला, जहां पीएम मोदी को घाना के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ह्यऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घानाह्ल से नवाजा गया। यह सम्मान विदेशी नेताओं को बहुत कम दिया जाता है और यह भारत-घाना के मजबूत रिश्तों का प्रतीक है। 30 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की घाना यात्रा ने दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को और गहरा किया। घाना की संसद को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, भारत और घाना का रिश्ता सिर्फ कूटनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आपसी विश्वास और साझा मूल्यों

की नींव पर टिका है। यह सम्मान भारत की जनता के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने भारत-अफ्रीका सहयोग, सांस्कृतिक जुड़ाव और विकास की साझा यात्रा पर जोर दिया।

संयुक्त राष्ट्र ने भी उन्हें पर्यावरण संरक्षण के लिए ह्यचैंपियन ऑफ द अर्थह्ल पुरस्कार से सम्मानित किया था। ये सम्मान केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की बढ़ती वैश्विक ताकत और प्रभाव का परिचायक हैं। पीएम मोदी की अगुवाई में भारत ने ह्यवसुधैव कुटुंबकम्ह्ल की भावना को अपनाते हुए वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूत किया है। उनकी विदेश यात्राएं नए व्यापारिक अवसर, निवेश और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का माध्यम बनी हैं। घाना का यह सम्मान भारत के वैश्विक नेतृत्व की भूमिका को रेखांकित करता है। पीएम मोदी ने न केवल भारत को एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित किया, बल्कि वे विकासशील देशों के लिए प्रेरणा बन गए हैं।

उनकी कूटनीति ने भारत को वैश्विक मंच पर एक भरोसेमंद और प्रभावशाली साझेदार बनाया है। यह सम्मान भारत के उभरते कद और विश्वास की गवाही है, जो आने वाले समय में और सशक्त होगा।

बारिश का कहर: तिनके की तरह बह गए 148 घर, 29 हुए लापता, 13 शव बरामद

मंडी ।

हिमाचल के मंडी जिले में बारिश का जमकर कहर बरश रहा है। जमीन धसने और बादल फटने से यहां भारी नुकसान हुआ है। हालात ये हैं कि बाढ़ के सैलाब में 148 घर तिनके की तरह बह गए और 29 लोग लापता हो गए। इसमें से 13 शव बरामद कर लिए गए हैं जबकि सैकड़ों लोग राहत शिविरों में रात बिताने को मजबूर हैं। जिले के 12 उपमंडलों में कुल मिलाकर 13 लोगों की मौत, 29 लोग लापता और 154 लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया है। कुल 148 मकान, 104 गोशालाएं और 162 पशुओं की मौत की पुष्टि प्रशासन ने की है। मंडी आपदा प्रबंधन ने 2 जुलाई की शाम तक की रिपोर्ट जारी की है। इसमें पूरी जानकारी दी है। थुनाग उपमंडल में सबसे ज्यादा असर पड़ा और यहां 1 मौत और 11 लापता हैं। थुनाग में 40 मकानों और 30 वाहनों को नुकसान पहुंचा है और 6 पुल टूट गए हैं। प्रशासन की तरफ से पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में 120 लोग, जीपीएस थुनाग 80 लोग को ठहराया गया है। वहीं, वायुसेना ने यहां से दो गर्भवती महिलाओं को हेलिकॉप्टर से सुरक्षित निकाला है। करसोग उपमंडल में अब लोगों की 2 मौत हुई है और बुधवार को 30 से ज्यादा लोग रेस्क्यू किया गया। यहा पर 27 मकान, 9 गोशालाएं ध्वस्त हो गई हैं। और 19 पशुओं की भी मौत हुई है। 1 छोटी पुलिया टूट गई है।फिलहाल, प्रशासन ने यहां पर 1,23,000 रुपए राहत राशि बांटी है। जिले के धर्मपुर अपमंडल की लौंगणी पंचायत के स्याठी गांव में 17 परिवारों को रेस्क्यू किया गया है। यहां पर 26 मकान, 31 गोशालाएं ध्वस्त हो गए हैं। 76 पशु काल के मुंह में समा गए। यहां पर कांढापतन में लोहे का पुल क्षतिग्रस्त और त्रियाम्बला मंदिर और नयना देवी मंदिर में राहत शिविर में 61 लोगों को ठहराया गया है। गोहर में सियूं और बडा गांव में 6 मौतें अब तक हो चुकी हैं। 1 शख्स लापता है। उधर, बुधवार को 29 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। फिलहाल, यहां पर भी कुदरत के कहर में 18 मकान और 19 गोशालाएं खत्म

हो गई हैं। बड़ा गांव के विश्रामगृह में 42 लोगों के रहने की व्यवस्था की गई है। मंडी प्रशासन ने बताया कि दो दिन के सर्च ऑपरेशन में 13 लोगों के शवर बरामद हो चुके हैं। अब भी मंडी जिले में 29 हैं। बुधवार को 154 लोगों को रेस्क्यू किया गया। प्रशासन के पास अब तक 148 मकानों के टूटने की पुष्टि हो चुकी है। इस दौरान 104 गोशालाएं बह गई हैं और 162 पशुओं की मौत हुई है। 14 पुलों को नुकसान पहुंचा है। फिलहाल, 5 शिविरों में 357 लोग रह रहे हैं। प्रशासन की ओर से सभी उपमंडलों में राहत और बचाव कार्य तेजी से चल रहे हैं। हेलिकॉप्टर, एनडीआरएफ और प्रशासनिक टीमें लगातार प्रयासरत हैं। लोगों से अपील की गई है कि वे सुरक्षित स्थानों पर रहें और किसी भी आपात स्थिति में स्थानीय प्रशासन से संपर्क करें। गौरतलब है कि सीएम सुक्खू ने बुधवार को मंडी जिले का हवाई दौरा किया और आसमान से नुकसान का जायजा लिया। मंडी प्रशासन ने बताया कि बल्ह, बालीचौकी, सुंदरनगर, पधर, सरकाघाट और कोटली उपमंडलों में भी मकानों, गोशालाओं और पशुओं को भारी नुकसान पहुंचा है। बल्ह में 4 मकान, 2 गोशालाएं, बालीचौकी में 18 मकान, 13 गोशालाएं, 25 पशु हानि, 2 पुल क्षतिग्रस्त। सुंदरनगर में 7 मकान, 4 गोशालाएं, पधर में 2 मकान, 2 गोशालाएं, लोक भवन में 13 लोग ठहराए गए हैं।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

'नारी शक्ति के लिए नए अवसर'

सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान,

के क्षेत्रीय केंद्र, रांची के उद्घाटन के अवसर पर

समस्त झारखंडवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ

"हमारी माताएं, बहनें, बेटियां, विकसित भारत के संकल्प में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभा रही हैं। बीते 11 वर्षों में हमारी नारी शक्ति की सफलताएं देशवासियों को गौरवान्वित करने वाली हैं।"

- श्री नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

रांची केंद्र के खुलने से लाभ:

- देश के पूर्वी क्षेत्र के राज्यों - झारखंड, बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल को मिलेगा लाभ और मंत्रालय की प्रमुख योजनाओं की विशिष्ट प्रशिक्षण और अनुसंधान आवश्यकताओं को किया जाएगा पूरा।
- केंद्र द्वारा बाल मार्गदर्शन एवं परामर्श में एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम और अग्रिम पंक्ति के कर्मियों को बेहतर प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा।
- रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे।

उद्घाटन समाहरोह

मुख्य अतिथि

श्रीमती अन्नपूर्णा देवी

माननीय केंद्रीय मंत्री, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

गरिमामयी उपस्थिति

श्री संजय सेठ
माननीय राज्य मंत्री, रक्षा मंत्रालय

श्रीमती सावित्री ठाकुर
माननीय राज्य मंत्री, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

श्री नवीन जयसवाल
माननीय विधायक, हटिया

श्री राजेश कच्छप
माननीय विधायक, खिजरी

दिनांक : 4 जुलाई 2025, शुक्रवार

स्थान : सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, झारखंड शहरी नियोजन एवं प्रबंधन संस्थान, एचईसी मुख्यालय के पास, धुर्वा, रांची, झारखंड

CBC 46101/13/0013/2526

संक्षिप्त समाचार

सिमरा गाँव में जबरन जमीन कब्जे पर ग्रामीणों का हंगामा कंपनी कर्मियों को भगाया

केरेडारी संवाददाता रबिन्द्र कुमार पाण्डेय

केरेडारी प्रखंड के कंडाबेर पंचायत स्थित सिमरा गाँव में एनटीपीसी की पकरी बरवाडीह नॉर्थ वेस्ट कोल खनन परियोजना के विस्तार के दौरान ग्रामीणों ने एमडीओ त्रिवेणी कंपनी के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का आरोप है कि कंपनी उनकी पुश्तैनी जमीन पर जबरन कब्जा करने की कोशिश कर रही है और उचित मुआवजा भी नहीं दे रही है।गुस्साए रैयतों ने कंपनी के कर्मियों को गाँव से खदेड़ दिया और काम रुकवा दिया। ग्रामीणों ने साफ कहा कि वे औने-पौने दाम पर अपनी जमीन नहीं देंगे और कंपनी की मनमानी बर्दाश्त नहीं करेंगे। उनका कहना है कि त्रिवेणी कंपनी अंग्रेजों जैसी नीति अपना रही है, जिसे गाँववाले सफल नहीं होने देंगे। इस विरोध प्रदर्शन में विवेक कुमार, दीपक कुमार, राजेश कुमार, विकास कुमार, अजय कुमार, मोहम्मद अमीन समेत कई ग्रामीण शामिल थे। सभी ने प्रशासन से न्याय और उचित मुआवजे की मांग की है। ग्रामीणों कक एकजुटता से पूरे इलाके में यह मामला चर्चा का विषय बन गया है।

गोपनीय कार्यालय के कर्मियों ने सफाई कर पर्यावरण संरक्षण व स्वच्छता का दिया संदेश

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत स्वच्छता सर्वेक्षण ग्रामीण अंतर्गत जिला के विभिन्न कार्यालयों में एवं पंचायत स्तर पर विद्यालय, आंगनबाड़ी, पंचायत भवन इत्यादि में कार्यालय के पदाधिकारी कर्मी एवं पंचायतस्तर पर मुखिया, जलसहिया, आंगनबाड़ी सेविका, स्वास्थ्य सहिया, स्वयं सहायता समूह की दीदी एवं ग्रामीणों ने श्रमदान कर वैसे स्थान जहां पर गंदगी पड़ी थी मेरा कचरा मेरी जिम्मेवारी को लेकर स्वयं ग्रामीण के द्वारा साफ-सफाई अभियान चलाया गया। स्वच्छता रैली, स्वच्छता शपथ, प्रभात फेरी इत्यादि के माध्यमों से ग्रामीणों को जागरूक किया गया। इस दौरान गोपनीय कार्यालय में कर्मियों ने श्रमदान कर कार्यालय परिसर, उसके आसपास की गंदगियों की साफ-सफाई की। इस दौरान गोपनीय कार्यालय के कर्मियों ने सफाई कर पर्यावरण संरक्षण व स्वच्छता का संदेश दिया है।

64वीं जिला स्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता का भव्य आयोजन, तालझारी की टीम विजेता बनी

साहिबगंज:

जिला स्तरीय 64वीं सुब्रतो कप अंडर-17 बालिका फुटबॉल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी लक्ष्मण यादव द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। आयोजन के प्रथम दिन जिले की विभिन्न टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले खेले गए।प्रतियोगिता के पहले राउंड में पतना ने उधवा को 2-0 से, बरहरवा ने साहिबगंज को 3-0 से, मंडरो ने राजमहल को 4-3 (पेनल्टी शूटआउट) से, तालझारी ने बरहेट को 6-0 से तथा बरहरवा ने बोरियों को 4-1 से पराजित किया।सेमीफाइनल मुकाबलों में मंडरो ने पतना को 1-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया, वहीं दूसरे सेमीफाइनल में तालझारी ने बरहरवा को 3-0 से शिकस्त दी।फाइनल मुकाबला तालझारी बनाम मंडरो के बीच खेला गया, जिसमें तालझारी की टीम ने पहले हाफ तक 2-0 की बढ़त बना ली और यही बढ़त अंत तक बरकरार रखते हुए प्रतियोगिता की विजेता बनी। मंडरो को उपविजेता की ट्रॉफी से संतोष करना पड़ा।फाइनल मुकाबले से पूर्व जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष राजेश यादव ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। इस अवसर पर एडीपीओ जयंत कुमार मिश्रा एवं एपीओ शबनम तबस्सुम भी उपस्थित थीं।पूरे आयोजन को सफल एवं सुचारू रूप से संपन्न कराने में जिला के शारीरिक शिक्षकों का अहम योगदान रहा। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर तालझारी की टीम ने प्रमंडल स्तरीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई कर जिले का मान बढ़ाया।

स्पोर्ट्स दुकानदार नवीन कोहली के साथ मारपीट कर किया घायल

गंभीर अवस्था में चल रहा है इलाज

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर -नगर थाना अंतर्गत ब्रह्म समाज रोड निवासी नवीन स्पोर्ट्स के मालिक के साथ कुछ लोगों के द्वारा गुरुवार की सुबह लगभग साढ़े दस बजे मारपीट कर घायल कर दिया गया है।गम्भीर अवस्था में घायल नवीन कोहली ने बताया कि अंडा पट्टी सब्जी बाजार में हमारा दुकान है।उसके बगल में एक सार्वजनिक गली सैकड़ों वर्ष से है उस सार्वजनिक गली को जबरदस्ती शंभु सिंह,अरबिंद सिंह,राजीव सिंह,उस-ाका बेटा विकास आदि जबरदस्ती दखल करना चाहता है।जबकि मामला एसडीओ कोर्ट में चल रहा है,जांच रिपोर्ट में भी इसे अतिक्रमण माना गया है और नोटिस भी किया गया है कि आप लोगों के ऊपर कार्रवाई क्यों नहीं की जाए,और कोर्ट ने उनके द्वारा किए जा रहे कार्य को भी रोकने का आदेश दिया है बावजूद ये लोग कोर्ट की आदेश का अवहेलना कर लोहे का पिलर खड़ा कर गली को घेरने का कार्य किया जा रहा था।जब हम रोकने गए तो मुझे मार कर फेकने की धमकी भी दिया गया।मामले को लेकर जब हम थाना गए तो थाने के अधिकारी ने कहा कि मामला एसडीओ कोर्ट का है आप आवेदन वहीं दे,फिर हम आवेदन देनें के लिए एसडीओ कोर्ट जा रहे थे उसी वक्त लगभग 10.30 बजे सुबह इंडोर स्टेडियम के निकट हम को घेर कर पिस्टल के वट से हमारे साथ अरविंद सिंह,राजीव सिंह,शंभु शरण सिंह,विकास,सुधीर आदि ने मारपीट किया जिससे मेरे हाँथ और सर पर चोट लगी है दोनों पांव भी टूट गया है।सभी पहले से ही योजना बनाकर हर्वे हथियार के साथ मौजूद थे।बाद में एक सिपाही और वहां आसपास के पब्लिक ने टेम्पू से थाना लाया फिर सदर अस्पताल पहुंचाया गया जहां ईलाजरत हैं।वहीं मामला पुलिस के संज्ञान में आने के बाद जांच पड़ताल कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

दिल्ली के नजफगढ़ में इन्दिरा आईवीएफ के नए फर्टिलिटी क्लिनिक का शुभारंभ

नई दिल्ली, ।

इन्दिरा आईवीएफ ने नजफगढ़, दिल्ली में अपने नवीनतम फर्टिलिटी क्लिनिक की शुरूआत की है। यह पहल दिल्ली-एनसीआर के साथ पूरे भारत में आईवीएफ सर्विसेज को अधिक सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। नया सेंटर माता ओंकार टॉवर, पुलिस स्टेशन के सामने, थाना रोड, नजफगढ़, दिल्ली में स्थित है और यहां जटिल फर्टिलिटी समस्याओं के लिए समय पर डायग्नोसिस व उपचार की सुविधा प्रदान की जाएगी। समारोह में सेंटर हेड एवं जोनल बिजनेस डायरेक्टर, इन्दिरा आईवीएफ पटेल नगर, डॉ. अरविंद वैद, सीनियर एनेस्थीसियोलॉजिस्ट, इन्दिरा आ-ईवीएफ पटेल नगर डॉ. अंजू वैद विशिष्ट अतिथियों के रूप में और सीनियर कंसल्टेंट एंड सेंटर हेड, इन्दिरा आ-ईवीएफ नजफगढ़ डॉ. पूनम वर्मा उपस्थित रहे। इन्दिरा आईवीएफ के सीईओ तथा कॉ-फाउण्डर डॉ. क्षितिज मुर्डिया ने अपने संदेश में फर्टिलिटी देखभाल को वंचित क्षेत्रों तक पहुँचाने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि नजफगढ़ हॉस्पिटल का शुभारंभ हमारी इस प्रतिबद्धता का प्रमाण है कि फर्टिलिटी केयर के क्षेत्र में मौजूद अंतर को दूर किया जाए, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहां अब तक पहुंच सीमित रही है। हमारा नेटवर्क विस्तारित कर-के हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि उचित फर्टिलिटी ट्रीटमेंट को अधिक से अधिक दंपतियों को अपने आसपास उपलब्ध हो। सेंटर हेड एवं

जोनल बिजनेस डायरेक्टर, इन्दिरा आईवीएफ पटेल नगर डॉ. अरविंद वैद ने कहा कि नजफगढ़ सेंटर हमारे दिल्ली में विस्तार के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारा मिशन है कि हम फर्टिलिटी हेल्थ के प्रति जागरूकता बढ़ाते हुए सहज रिप्रोडक्टिव केयर प्रदान करें। हम लोगों को सही जानकारी और मार्गदर्शन देने के लिए प्रतिबद्ध हैं ताकि वे अपनी रिप्रोडक्टिव यात्रा के बारे में समय पर और सोच-समझकर निर्णय लेकर उपचार की ओर कदम बढ़ा सकें। सीनियर एनेस्थीसियोलॉजिस्ट इन्दिरा आईवीएफ पटेल नगर डॉ. अंजू वैद ने कहा कि हम समझते हैं कि इनफर्टिलिटी से जुड़ी भावनात्मक और आर्थिक दोनों स्थितियां चुनौतीपूर्ण होती हैं। हमारा उद्देश्य फर्टिलिटी उपचार को न सिर्फ सुलभ बल्कि अफोर्डेबल बनाना है ताकि कोई भी परिवार आर्थिक रूप से असक्षम होने के कारण उपचार से दूर न रह जाएं। सेंटर हेड डॉ. पूनम वर्मा ने कहा कि हर मरीज की फर्टिलिटी यात्रा अलग होती है। हमारे नजफगढ़ सेंटर में हम मरीजों की मेडिकल हिस्ट्री, इमोशनल और फर्टिलिटी आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर समस्या के अनुरूप व्यक्तिगत उपचार योजना बनाते हैं जिससे परिणाम बेहतर हो सकें। इन्दिरा आईवीएफ देशभर में 150 से अधिक क्लिनिक्स हैं जहां लगभग 30000, 35000, 40000 आईवीएफ साइ-किल्स वित्तीय वर्ष 2022, 2023 और 2024 में की गयी। नजफगढ़ सेंटर भारत में फर्टिलिटी ट्रीटमेंट के क्षेत्र में इन्दिरा आईवीएफ की एक और नयी पहल है जहां पर मरीजों को उचित परामर्श और इलाज सुविधा उपलब्ध करवाने की कोशिश की जाएगी।

सिविल सर्जन डॉ युगल किशोर चौधरी ने मेला कार्यालय का किया उद्घाटन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

सिविल सर्जन डॉ युगल किशोर चौधरी ने आज फीता काट कर श्रावणी मेला कार्यालय का उद्घाटन किया।उदघाटन से पहले कार्यालय में श्रावणी मेला प्रभारी डॉ आलोक बिनोद द्वारा विधिवत पूजा किया गया।उदघाटन के मौके पर सिविल सर्जन ने कहा कि मेला के दौरान प्रतिनियुक्त सभी चिकित्सको और पारा कर्मियों के लिए आवासन की व्यवस्था कर ली गई है साथ ही उनके ड्यूटी से संबंधित सभी कार्यों के सफल संचालन के लिए अलग अलग प्रभारी भी नियुक्त कर दिए गए है।सदर अस्पताल के प्रशासनिक प्रभारी डॉ शरद कुमार ने कहा कि सदर अस्पताल में प्रतिनियुक्त सभी चिकित्सको और कर्मियों की सेवा रोस्टर के अनुसार 247 ली जाएगी। सदर अस्पताल के 24₹7 सफल संचालन के लिए उपायुक्त से जांच संबंधी कुछ उपकरणों की मांग भी की गई है। उपायुक्त द्वारा भरोसा दिया गया है कि जल्द से जल्द उन उपकरणों को मुहैया कराने के लिए प्रयास करेंगे।आज के इस उद्घाटन के मौके पर प्रभारी अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ प्रमोद कुमार शर्मा, भी बी डी पदाधिकारी डॉ अभय यादव,जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ संचयन के अलावा वरीय लिपिक अरुण चौधरी,लिपिक अनिमेष घोष,विजय प्रसाद,अभिषेक साह रवि सिंहा,बबलू कुमार,एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

मुहर्रम को लेकर देवीपुर थाना में शांति समिति की हुई बैठक

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

थाना सभागार में को मुस्लिम समुदाय का पवित्र त्यौहार मुहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक की गई। बैठक अंचलाधिकारी खोपलाल राम के अध्यक्षता में किया गया. इस अवसर पर थाना प्रभारी संदीप कृष्णा ने मौजूद लोगों से त्यौहार के दौरान क्षेत्र में होने वाली भीड़ व तजिया निकलने समेत त्यौहार से सम्बंधित अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां लिया गया। जिसके बाद बैठक में मौजूद गणमान्य लोगों ने त्यौहार को लेकर अपने-अपने विचार रखे। थाना प्रभारी संदीप कृष्णा और अंचलाधिकारी खोपलाल राम ने सभी को शांति व सौहार्द्र पूर्ण माहौल में आपसी भाईचारे के साथ त्यौहार मनाने की अपील किया। उन्होंने कहा कि त्यौहार के दौरान पर्याप्त संख्या में पुलिस बलों की तैनाती की जाएगी। साथ ही गश्ती के माध्यम से पुलिस असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखेगी। बावजूद उन्होंने स्थानीय लोगों से क्षेत्र में विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए सहयोग की अपील किया। वहीं सोशल मीडिया में फैलाए जा रहे अफवाहों से बचते हुए किसी भी अप्रिय या असमजीक घटना या पोस्ट की जानकारी पुलिस को देने की बात कही। मौके पर सभी एएसआई सुधांशु यादव, सुधीर कुमार रजक, उषा रानी, पूर्व मुखिया झुमरबाद कलिम अंसारी, पूर्व मुखिया धोबाना संजय यादव, मुखिया रामपुरा लक्ष्मण मुर्मू, प्रमुख प्रतिनिधि नीलम अंसारी, कांग्रेस प्र-खंड अध्यक्ष नरेश यादव, राजेश चंद्र बरनवाल, बीजेपी से जयप्रकाश सिंह, झामुमो से सलीम अंसारी, विजय यादव, समाजसेवी लालजी प्रसाद यादव, शिवशंकर यादव, एहतराम अंसारी, विकास यादव आदि दर्जनों लोग उपस्थित थे.

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला खेल संचालन समिति की बैठक का किया गया आयोजन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में आज दिनांक 03.07.2025 को जिला खेल संचालन समिति की बैठक का आयोजन समाहरणालय में आयोजित किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने जिला खेल संचालन समिति के माध्यम से जिले में विभिन्न खेल को लेकर 15 स्वीकृत केंद्रों पर 39 कोच को शॉर्टलिस्ट किया गया है। साथ ही आवश्यक कारवाई के साथ साक्षात्कार पश्चात कोच के चयन से जुड़े कार्यों को लेकर उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया, ताकि चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे। इसके अलावा मधुपुर प्रखण्ड हेतु फुटबॉल (बालक) डे-बोर्डिंग कीड़ा प्रशिक्षण केन्द्र, प्रखण्ड स्तरीय स्टेडियम, ताईक्वाण्डों (बालक) डे-बोर्डिंग प्रशिक्षण केन्द्र, ताईक्वाण्डों (बालिका) डे-बोर्डिंग प्रशिक्षण केन्द्र एवं कबड्डी (बालक) डे-बोर्डिंग प्रशिक्षण केन्द्र प्रखण्ड स्तरीय स्टेडियम हेतु 03 प्रशिक्षकों की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। वहीं देवघर प्रखण्ड हेतु बैडमिन्टन (बालक) डे-बोर्डिंग कीड़ा प्रशिक्षण केन्द्र, नेता जी सुभाष चन्द्र बोस इण्डोर स्टेडियम, कबड्डी (बालक) डे-बोर्डिंग कीड़ा प्रशिक्षण केन्द्र, नेता जी सुभाष चन्द्र बोस इण्डोर स्टेडियम, कबड्डी (बालिका) डे-बोर्डिंग कीड़ा प्रशिक्षण केन्द्र, नेता जी सुभाष चन्द्र बोस इण्डोर स्टेडियम, लॉनबॉल (बालक) डे-बोर्डिंग कीड़ा प्रशिक्षण केन्द्र स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स कुमैठा, लॉनबॉल (बालिका) डे-बोर्डिंग कीड़ा प्रशिक्षण केन्द्र स्पॉर्ट्स कॉम्पलेक्स कुमैठा, बास्केटबॉल (बालक) डे-बोर्डिंग कीड़ा प्रशिक्षण केन्द्र स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स कुमैठा एवं बास्केटबॉल (बालिका) डी-बोर्डिंग कीड़ा प्रशिक्षण केंद्र सपोर्ट्स कॉम्प्लेक्स कुमैठा हेतु कुल 08 प्रशिक्षकों की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। इसके अलावा सारवां प्रखण्ड हेतु एथलेटिक्स (बालक) डे-बोर्डिंग कीड़ा प्रशिक्षण केन्द्र + 2 राजकीयकृत उच्च विद्यालय, एथलेटिक्स (बालिका) डे-बोर्डिंग कीड़ा प्रशिक्षण केन्द्र + 2 राजकीयकृत उच्च विद्यालय हेतु 02 प्रशिक्षकों की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। साथ ही सारठ प्रखण्ड हेतु तीरंदाजी (बालिका) डे-बोर्डिंग कीड़ा प्रशिक्षण केन्द्र प्रखण्ड स्तरीय स्टेडियम एवं तीरंदाजी (बालक) डे-बोर्डिंग कीड़ा प्रशिक्षण केन्द्र प्रखण्ड स्तरीय स्टेडियम हेतु 02 प्रशिक्षकों की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। *इस दौरान उपरोक्त के अलावा* उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, अपर समाहर्ता हीरा कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी विनोद कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक मधुकर कुमार, जिला खेल पदाधिकारी संतोष कुमार, जिला कल्याण पदाधिकारी दयानंद दुबे, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

भोगनाडीह की घटना मे भाजपा की साजिश-संजय शर्मा

जिला अध्यक्ष ने किया प्रेस कांफ्रेंस

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर-साहबगंज जिले के भोगनाडीह सिधु कान्हू के जन्मस्थली में हूल दिवस के दिन हुई घटना को देवघर जेएमएम जिला अध्यक्ष संजय कुमार शर्मा ने भाजपा का षडयंत्र बताया। एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान श्री शर्मा ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार को बदनाम करनें की यह एक साजिश थी।यह राज्यकीय कार्यक्रम था इसमें मंत्री से लेकर सरकारी अधिकारी भी आते हैं।यह कार्यक्रम किसी पार्टी का कार्यक्रम नहीं था इसे तो जिला प्रश-ासन आयोजन करती है।भाजपा के कार्यताओं के द्वारा उपद्रव करना,लोगों को शहीद स्थल तक जाने से रोकना यह बहुत ही गलत है।भाजपा के नेता चम्पई सोरेन के शोसल मीडिया चलाने वाले का नाम सामने आता है।कहीं न कहीं उन्हें उनके आंका के द्वारा यह निर्देश दिया गया था कि कार्यक्रम को सफल नहीं होने देना है। पूर्व मुख्यमंत्री चम्पई सोरेन का वहां कार्यक्रम होता है,रघुवर दास,सीता सोरेन पहुंचती हैं। और बाद में इस प्रकार की घटना घटती है।इस मामले में एक मंडल मुर्मू का नाम सामने आया है जिनका चाल चरित्र सभी लोग जानते हैं,इनको जबरन भाजपा में शामिल किया गया था ताकि हेमंत सोरेन के विधानसभा में उन्हें डिस्टर्ब किया जाए।इनके द्वारा माननीय मुख्यमंत्री के नॉमिनेशन को भी कैंसिल करवाने का प्रयास किया गया था।इसी मंडल मुर्मू के द्वारा भोगनाडीह की पट कथा लिखी गयी थी। उनका उद्देश्य ही था कि भोगनाड-ीह में बबाल मचवाना।चम्पई सोरेन ने 23 जून को एक पोस्ट किया गया था कि चलो भोगनाडीह चलें।कहीं न क-हीं यह मुख्यमंत्री के ऊपर हमला का प्लान था।वहीं श्री शर्मा ने भाजपा पर बरसते हुए कहा कि भाजपा की जमीन खिसक चुकी है उनके पास कोई मुद्दा नहीं है।भाजपा ने हमारे पार्टी के कई नेता को भाजपा में लाया पर इसका उन्हें कोई लाभ नहीं मिला।भाजपा एक दंगाई पार्टी है,जात पात और धर्म की राजनीति के अलावे उनके पास कोई मुद्दा नहीं है।हमलोग भोगनाडीह की घटना की निंदा करते हैं और प्रशासन से आग्रह करते हैं वहां कार्यक्रम के पूर्व जितने भी नेता पहुंचे सभी की जांच की जाए और इस कृत्य को करनें वालों को सजा मिले।देवघर जेएमएम दोषियों पर कड़ी से कड़ी सजा की मांग करते हैं।शहीदों के स्थल पर इस प्रकार के कुकृत्य करनें वालों को जनता कभी मांफ नहीं करेगी।दंगाई पिस्टल के साथ गिरफ्तार हो रहें हैं जिसकी पुष्टि थाना के अधिकारी ने किया है।इस दौरान मौके पर जिला अध्यक्ष संजय शर्मा,केंद्रीय समिति सस्य परिमल सिंह,सचिव दिनेश्वर किस्कू,युवा जिला अध्यक्ष राहुल चन्द्रवंशी,सुरेश साह,नगर अध्यक्ष प्रदीप चौधरी,सह सचिव गोपाल दास आदि उपस्थित थे।

डिवाइन पब्लिक स्कूल देवघर द्वारा जरूरतमंदों के लिए सदर अस्पताल परिसर में किया गया भोजन वितरण

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

नंदन पहाड़ रोड स्थित डिवाइन पब्लिक स्कूल 10+2, देवघर द्वारा सदर अस्पताल परिसर में जरूरतमंदों के बीच भोजन का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम माँ ललिता देवी संस्थान के सचिव विशाल कुमार के नेतृत्व व अध्यक्ष अंजली किरण की अध्यक्षता में विद्यालय की प्रधानाचार्या ममता किरण के द्वारा किया गया। प्रधानाचार्या ममता किरण ने बताया कि डिवाइन पब्लिक स्कूल देवघर हमेशा ही जरूरतमंदों की मदद करने में आगे रहता है और यथासम्भव उनकी मदद करता रहा है। अस्पताल परिसर में भोजन उपलब्ध कराने का हमारा उद्देश्य वैसे मरीजों और उनके परिवार वालों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना रहता है जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं या जिनके पास भोजन पकाने की सुविधा नहीं है। डिवाइन पब्लिक स्कूल कई वर्षों से निरंतर अस्पताल परिसर में अपनी सेवा देता आ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

गोह में पूर्व जिला पार्षद की मनाई पुण्यतिथि

रिपोर्ट - अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह (औरंगाबाद) :- जिले के गोह प्रखंड मुख्यालय में पूर्व जिला पार्षद स्वः शशिभूषण शर्मा की पुण्यतिथि मनाई गई। श्रद्धाजंलि सभा की अध्यक्षता प्रगतिशील विश्वकर्मा महासभा के जिलाध्यक्ष विन्देश्वरी शर्मा ने किया। सभा मे उपस्थित लोगों ने पूर्व जिला पार्षद के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया। और पूर्व जिला पार्षद स्वः शशिभूषण शर्मा के द्वारा गोहन प्रखंड में बहुत सारे सामाजिक कार्य किया गया था जो आज के समय में आप सभी देख सकते है। इस पुण्यतिथि के अवसर पर समाजसेवी दिलीप कुमार विश्वकर्मा, कामदेव चंद्रवंशी, देवरंजन दास, सिकंदर शर्मा, कुंदन कुमार, शिक्षक रविनंदन मुख रूप से उपस्थित थे।

किसानों के बीच मूंगफली का बीज वितरण किया गया

रिपोर्ट - अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ कृषि विभाग द्वारा बिरसा फसल विस्तार योजना अंतर्गत पाकुड़ प्रखंड के दादपुर पंचायत के महादेवपुर सेजा गांव एवं नवीनगर पंचायत के पिपरजोरी गांव के किसानों के बीच मूंगफली का बीज वितरित किया गया। वितरण कार्यक्रम में बीटीएम शमीम अंसारी, एटीएम सुदीप सेन, नीलम श्रीवास्तव, कृषक मित्र तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कोल कंपनियों के पदाधिकारी के साथ पाकुड़ डीसी की बैठक

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ गुरुवार को कोल कंपनियों के पदाधिकारियों के साथ उपायुक्त मनीष कुमार ने समीक्षा बैठक किया। बैठक में मौजूद कोल कम्पनी के प्रतिनिधियों से उपायुक्त ने जिले में सड़क दुर्घटना, सड़क जाम के समाधान को लेकर कोल कम्पनी के पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उपायुक्त ने हिरणपुर से होकर चलने वाली कोयला गाड़ियों को हिरणपुर से नहीं ले जाने का निर्देश दिया गया। चालकों द्वारा ट्रक चलाते समय ओवर स्पीड, ओवर टेक नहीं किया जाए। ट्रकों में क्षमता से अधिक कोयले का परिवहन नहीं किया जाए एवं ट्रक के डाला में अतिरिक्त पटरा या ऐंगल नहीं लगाया जाए। सभी ट्रकों में रजिस्ट्रेशन नंबर अंकित नंबर प्लेट निश्चित रूप से लगा होना चाहिए। कोयला परिवहन करने वाले ट्रकों को त्रिपाल से ढका होना चाहिए। बैठक में उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, जिला परिवहन पदाधिकारी संजय पीएम कुजुर, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अजय सिंह बड़ाईक, अमड़ापाड़ा अंचलाधिकारी, सभी कोल कम्पनी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

महेशपुर बाजार में श्रम विभाग के द्वारा चलाया गया बाल श्रम विमुक्ति सह जागरुकता अभियान

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ः महेशपुर गुरुवार को श्रम प्रवर्त्तन पदाधिकारी, पाकुड़ गिरीश चंद्र प्रसाद के द्वारा महेशपुर बाजार के विभिन्न प्रतिष्ठानों, होटल एवं गैरेज आदि में बाल श्रम विमुक्ति एवं जागरुकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सभी प्रतिष्ठानों में धारा-12 क के तहत सूचना प्रदर्शित कराई गई। श्रम प्रवर्त्तन पदाधिकारी गिरीश चन्द्र प्रसाद ने बताया कि किसी भी प्रतिष्ठान में 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों एवं खतरनाक नियोजन में 14-18 वर्ष तक के बच्चों का नियोजन प्रतिषेध है। उल्लंघन की स्थिति में नियोजक पर बीस हजार रुपये से पचास हजार रुपये तक का जुर्मना अथवा 06 माह से 02 वर्ष तक का कारावास या दोनो हो सकता है। जिले में बाल श्रम को रोकने के लिए निरन्तर कारवाई जारी रहेगी। इस अभियान में कैलाश सत्यार्थी फाउन्डेशन के सदस्य, चाइल्ड लाइन एवं श्रम विभाग के कर्मी शामिल थे।

श्रीराम भक्त हनुमान मंदिर का वार्षिकोत्सव समारोह धूमधाम से मनाई गई

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - न्यू मधुकम रोड नंबर 05 आई स्थित श्रीराम भक्त हनुमान मंदिर का तीसरा वार्षिकोत्सव समारोह धूमधाम से मनाई गई। मंदिर के पुजारी मनीष पाठक ने महाआरती,मंडप पूजन विधि विधान से मंत्रोपचारण के साथ कराई।पूजन के बाद महाभंडारे का आयोजन हुआ जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किए। मौके पर छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा भी इस आयोजन मे शामिल हुए और प्रसाद ग्रहण किए।इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने मे मुख्यरूप से सूरज कुमार,कुंदन वर्णवाल,गुड्डु ठाकुर, विनोद राम,राजा कुमार,नवीन ठाकुर,सुबोध कुमार शर्मा,सुरज सिंह,बिपिन ठाकुर,रीतेश केरकेट्टा,श्रवण ठाकुर,आदि ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बुक व्यापार में 'छोटा समूह' बना रहा था बड़ा खेल, सीसीआई की जांच में खुलासा – एफपीएआई पर गिरी गाज

प्रणव गुप्ता की शिकायत पर हुआ बड़ा खुलासाः किताबों की कीमत तय करने वाला गुपचुप गठजोड़ बेनकाब

नई दिल्ली, ।

देश के पुस्तक व्यापार में एक बड़े 'कार्टेल' की परतें खुली हैं। कंपटीशन कमीशन ऑफ इंडिया (CCI) ने किताबों और जर्नलों की सप्लाई और मूल्य निर्धारण में एक संगठित खेल उजागर किया है, जिसमें देश की नामचीन संस्था Federation of Publishers and Booksellers Associations in India (FPBAI) शामिल पाई गई है। उउकने अपने आदेश में कहा कि FPBअकने कुछ चुनिंदा किताब बेचने वालों को फायदा पहुंचाने के लिए नियम बनाए, जिससे बाकी व्यापारियों और ग्राहकों को नुकसान हुआ। उउकने इसे प्रतिस्पर्धा के खिलाफ और छोटे व्यापारियों के हितों के विपरित पाया। CCI ने एक प्रकाशक प्रणव गुप्ता की याचिका पर FPBAI को इस तरह की गतिविधियों से रोकने के आदेश दिए हैं और जिम्मेदार व्यक्तियों पर कार्रवाई की सिफारिश की है। साथ ही FPBAI पर 2 लाख 56 हजार 649 रुपए और उसके तीन पदाधिकारियों (प्रदीप अरोड़ा 1 लाख, एससी सेठी 1 लाख 76 हजार 305 और प्रशांत जैन 1 लाख) पर अनुचित व्यापारिक गतिविधियों के लिए जुमार्ना लगाया है। दिल्ली के प्रकाशक प्रणव गुप्ता ने उउकमें शिकायत की थी कि FPBAI अपने एक सब-ग्रुप GOC के जरिए मुद्रा रूपांतरण दर तय करता है। खासकर विदेशी किताबों की कीमत के लिए जो डॉलर, यूरो जैसी विदेशी मुद्राओं में आती हैं, उनकी रुपए में कीमत जानबूझकर ज्यादा तय की जाती थी, जो रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित दर से 3-5% अधिक होती थीं। ये दरें हर महीने बताई जाती थीं और ज्यादातर व्यापारी इन्हें मानने को मजबूर होते थे। इसके अलावा FPBAI द्वारा पुस्तक बिक्री में छूट (discount) की सीमा भी तय की गई थी। साथ ही, उन सप्लायर्स के खिलाफ परोक्ष रूप से चेतावनी दी जाती थी जो FPBAI के सदस्य नहीं हैं –कई सरकारी पुस्तकालयों में तो केवल FPBAI से सम्बद्ध विक्रेताओं को ही ऑर्डर मिलते थे। जो व्यापारी विदेश से किताब खरीदते थे, वो GOC की तय की हुई ज्यादा दर से किताबें बेचते थे। लेकिन जो किताबें खरीदने वाले थे – जैसे स्कूल, कॉलेज और लाइब्रेरी – वो कहते थे कि हम RBI की असली दर ही मानेंगे। ऐसे में छोटे व्यापारी को नुकसान होता था, वो महंगे में खरीदता था और सस्ते में बेचने को मजबूर होता था। CCI ने जांच में पाया कि GOC द्वारा घोषित विदेशी मुद्रा दरें, आरबीआई से औसतन 3% अधिक थीं। ये

दरें पुस्तकों के अंतिम मूल्य को प्रभावित करती थीं। कई विक्रेताओं ने गवाही में कहा कि उन्हें साफ कहा जाता था कि अगर GOC दरें नहीं अपनाईं, तो सदस्यता रद्द की जा सकती है। फरवरी 2021 में उउकने FPBAI को छूट निर्धारण से दूर रहने को कहा था, पर इसके बावजूद छूट संबंधित दिशा-निर्देश कुछ वेबसाइट्स पर उपलब्ध रहे, जिन्हें FPBAI नियंत्रित करता या जिनसे उसका संबंध रहता। GOC द्वारा स्वीकृत विक्रेताओं की सूची जारी की जाती रही, जिससे गैर-सदस्यों के खिलाफ बाजार में परोक्ष भेदभाव होता रहा। जांच में पता चला कि इस पूरी व्यवस्था से सिर्फ 10% सदस्य (जो विदेश से किताबें मंगवाते हैं) को फायदा हो रहा था। बाकी 90% को नुकसान झेलना पड़ता था। खुद FPBAI के कुछ सदस्य भी मानते हैं कि उन्होंने इस सिस्टम से नुकसान उठाया, लेकिन संगठन ने कुछ नहीं किया। FPBAI का कहना था कि उनकी दरें सिर्फ सुझाव के तौर पर होती थीं, कोई जबरदस्ती नहीं करता था। उन्होंने कहा कि यह पुरानी परंपरा थी, जिससे व्यापार में आसानी होती थी। उन्होंने यह भी कहा कि किसी सदस्य पर दंड नहीं लगाया गया और कई पुस्तकालय स्वयं GOC दरें अपनाते हैं। CCI ने कहा कि चाहे सुझाव हो या नहीं, अगर बाजार में इतने बड़े संगठन की बात मानी जा रही है और बाकी व्यापारी नुकसान झेल रहे हैं, तो यह गैर-कानूनी है।

ये मूल्य निर्धारण की साजिश ((Price Fixing)है और इससे प्रतिस्पर्धा (Competition) खत्म होती है। इस व्यवस्था से न केवल विक्रेताओं को नुकसान हुआ, बल्कि पुस्तकालयों और संस्थानों की भी लागत बढ़ी। CCI ने FPBAI को इस तरह की गतिविधियों से रोकने के आदेश दिए हैं और जिम्मेदार व्यक्तियों पर जुमार्ना लगाने के साथ कार्रवाई की सिफारिश की है। यह फैसला देश की 90000 करोड़ से भी ज्यादा की बुक इंडस्ट्री को प्रभावित करेगा। अब छोटी कंपनियों को बराबरी का मौका मिलेगा, और बड़ी संस्थाओं द्वारा 'रेट तय करने' जैसी प्रथा पर रोक लगेगी।

बूथ सशक्तिकरण को लेकर कैथी बनकट में भाजपा की हुई बैठक

रिपोर्ट - निशांत कुमार

औरंगाबाद :- हसपुरा प्रखंड में बूथ सशक्तिकरण को लेकर कैथी बनकट गांव में गुरुवार को गोह विधानसभा के हसपुरा दक्षिणी,उतरी तथा पौथु मंडल अध्यक्षों सहित पंचायत अध्यक्ष,बूथ अध्यक्षों के साथ कार्यकताओं की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता हसपुरा दक्षिणी मंडल अध्यक्ष विनोद कुमार शर्मा व संचालन जिला मंत्री सुनील शर्मा ने किया। जिसमें भाजपा प्रदेश प्रवक्ता सह पूर्व विधायक मनोज कुमार , विधानसभा प्रभारी सुबोध सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष पुरूषोत्तम सिंह , इन्द्रदेव यादव , पूर्व महामंत्री रविशंकर शर्मा, युगल सिंह,राजीव कुमार विद्यार्थी , चन्द्रकांत मुन्ना, टुना प्रसाद गुप्ता , चितरंजन सिंह, चन्द्रेश पटेल ,अनील आर्य सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल थे , ग्रामीण कपील देव सिंह व मंडल अध्यक्ष विनोद कुमार शर्मा ने उपस्थित सभी आगंतुको को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। बैठक में बूथ सशक्तिकरण पर चर्चा करते हुए भाजपा प्रदेश प्रवक्ता मनोज कुमार ने कहा भाजपा विश्व की एक नंबर पार्टी है। उन्होंने अगामी विधानसभा चुनाव में 225 सीट की जीत को लेकर हमारा बूथ सबसे मजबूत का मंत्र दिया। सभी कार्यकताओं को बूथ सशक्तिकरण की चर्चा करते हुए कहा कि महिलाओं को प्राथमिकता के आधार पर वोटर लिस्ट में नाम जोड़ना होगा। भाजपा सभी पंचायतों में एक भारत श्रेष्ठ भारत के संकल्प के साथ बीएलओ टू पार्टी के कार्यकताओं को बनाया गया है। चुनाव की तैयारी में सभी कार्यकर्ता जुट जाएं। प्रधानमंत्री की मन की बात जो जुलाई होगा उसमें भागीदारी मजबूती से हो। हर बूथ पर पांच एक्टिव कार्यकर्ता को सोसल मिडिया से जोड़ने की अभियान चलाया जाना है। कार्यकताओं को टास्क दिया गया है कि 2005 से पहले वाली सरकार नहीं बने। जिला प्रवक्ता राकेश देवता,देवेश शर्मा,उमेश पासवान,रंधीर पासवान , बब्लु सिंह, ज्योति नारायण सिंह,नंदन यादव सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बदलाव की दास्तां: कभी सप्ताह में 39 मरीज आते थे, अब 11,600 से ज्यादा लोग करते हैं सरकारी अस्पतालों पर भरोसा

पटना:

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में व्यापक सुधार सुनिश्चित किया गया है। बिहार सरकार के 2006 के आंकड़ों की माने तो उस वक्त यहां के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर एक माह में आने वाले मरीजों की संख्या केवल 39 हुआ करती थी। मगर अब, बिहार बदहाल अस्पतालों के उस दौर से बाहर आ चुका है। अब हर महीने 11,600 से अधिक मरीज इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर आ रहे हैं। यह सिर्फ आंकड़ा नहीं, बल्कि बदलते बिहार की वो तस्वीर है। जो अब आंकड़ों के रूप में दिखाई देने लगा है।

स्वास्थ्य सेवाओं में ऐतिहासिक बदलाव

साल 2004-05 में जहां स्वास्थ्य का कुल बजट महज 705 करोड़ हुआ करता था, वहीं अब साल 2025 तक यह बजट बढ़कर 20,035 करोड़ तक पहुंच गया। जिसका नतीजा ये है कि अब लोग न केवल बड़ी बीमारी बल्कि छोटी मोटी चोट, दुर्घटना ही नहीं, टीके और इंजेक्शन के लिए भी अब लोग सरकारी अस्पतालों पर निर्भर हो रहे हैं। बजट का ये यह आंकड़ा बताता है कि सरकार की ओर से स्वास्थ्य व्यवस्था के सुधार को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। ऐसे में ये कहा जा सकता है कि सीएम नीतीश ने स्वास्थ्य क्षेत्र को केवल एक विभाग नहीं, बल्कि जनविश्वास का भी आधार बनाया है।

जनता के करीब आई स्वास्थ्य सेवाएं

इन बीस सालों के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और अस्पतालों का विस्तार किया है। मुफ्त दवाओं के जांच की व्यवस्था की गई है। जिससे अब दवाओं की जांच बिहार में ही हो सकेगी। डॉक्टरों की संख्या और उपस्थिति में भी सुधार आया है। अब सरकारी अस्पतालों में नई टेक्नोलॉजी का प्रयोग किया जा रहा है। जिसके आधार पर बिहार के स्वास्थ्य सिस्टम को मजबूत करने की कोशिश है।

जल्द 15 मेडिकल कॉलेज होंगे, 9 और का प्रस्ताव

स्वास्थ्य सेवाओं की बात की जाए तो बिहार में एशिया का दूसरा बड़ा अस्पताल बन नहा है। वहीं, बिहार दूसरा ऐसा राज्य होगा जहां दो एम्स होंगे। पटना में एम्स बन चुका है। वहीं दरभंगा में एम्स का निर्माण शुरू हो गया है। बताते चलें कि 2005 से पहले सरकारी मेडिकल कॉलेजों की संख्या बिहार में 6 हुआ करती थी। जो अब बढ़कर 11 हो चुकी है। वहीं, प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज का काम पूरा होने के बाद यह संख्या 15 हो जाएगी। इसके अलावा 9 जिलों में नए मेडिकल कॉलेज 9 बनाने का भी प्रस्ताव है।

दूसरे राज्यों को स्वास्थ्य सेवा देने वाला बनेगा बिहार

बिहार के स्वास्थ्य को लेकर सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध नजर आ रही हैं। गौर करने वाली बात ये है कि आने वाले दिनों में बिहार झारखंड और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों के लिए स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने वाले राज्य के रूप में पहचान बनाएगा। पीएमसीएच के विस्तार का काम चल रहा है। इसके पूर्ण होते है

गलत सीख देती किताबों का जिम्मेदार कौन? - अतुल मलिकराम लेखक और राजनीतिक रणनीतिकार

दिव्य दिनकर संवाददाता

कहते हैं किताबें हमारे जीवन की सबसे अच्छी साथी होती हैं। जब भी हमें उनकी आवश्यकता होती है, वे हमारे लिए उपलब्ध होती हैं। किताबें हमारे आसपास की दुनिया को समझने, सही और गलत के बीच निर्णय लेने में हमारी मदद करती हैं। वे हमारे आदर्श, मार्गदर्शक या सर्वकालिक शिक्षक के रूप में भी हमारे जीवन में शामिल होती हैं। कुछ भी सिखने का सबसे विश्वसनीय स्थान किताबें ही होती हैं, लेकिन क्या हो, यदि ये किताबें ही हमें कोई गलत चीज सिखाने लगें तो? ये कितना बड़ा नुकसान कर सकती हैं क्या हमने कभी इस बारे में सोचा है? सोशल मीडिया के इस दौर में आज की पीढ़ी किताबों से पहले ही दूर हो चुकी है। इन्हें किताबों के पास रखने का एक ही तरीका है, वह है इनकी स्कूल, कॉलेज की किताबें। लेकिन, समस्या यह है कि इन किताबों में भाषा की, तथ्यों की और जानकारी की ढेर सारी गलतियाँ हैं। ऊपर से हमारे शिक्षक भी इतने जानकार या इस समस्या को लेकर इतने जागरूक नहीं हैं कि इन गलतियों को पकड़ कर इनके सुधार के लिए कोई कदम उठाएँ। नतीजन, हमारी नई पीढ़ी किताबों से कुछ अच्छा सीखने के बजाए गलत सीख ले रही है। मेरे देखने में आया है कि हमारी पाठ्यपुस्तकों में सबसे ज्यादा गलतियाँ भाषा की होती हैं, वह भी मातृभाषा हिंदी की किताबों में यह सबसे ज्यादा हैं। एक तरफ तो हम हिंदी को मातृभाषा कहते हैं, वहीं दूसरी तरफ हमारी नई पीढ़ी को इस भाषा का सही ज्ञान तक नहीं दे पा रहे हैं। विडंबना यह है कि कई हिंदी पढ़ाने वाले शिक्षकों को भी इस भाषा का सही ज्ञान नहीं है। नतीजन, वे किताबों की इन गलतियों को न तो पकड़ पाते हैं और न ही इसमें सुधार कर पाते हैं और हमारी नई पीढ़ी गलत ज्ञान लेकर ही आगे बढ़ रही है। यही हाल अन्य विषयों में भी है। उदाहरण की बात करूँ, तो हमारे देश में एनसीईआरटी की किताबों को सबसे विश्वसनीय सोर्स माना जाता है। इनकी विश्वसनीयता का पता इस बात से लगाया जा सकता है कि देश की सबसे कठिन परीक्षा जिसे हम यूपीएससी के नाम से भी जानते हैं, के लिए भी एनसीईआरटी की किताबों पर विश्वास जताया जाता है। इन किताबों से ही ज्ञान लेकर देश को उच्च अधिकारी मिलते हैं, लेकिन ये किताबें भी गलतियों से भरी पड़ी हैं। एनसीईआरटी की किताबों में आपको भाषा से लेकर तथ्यों और भ्रामक जानकारियों तक की हजारों गलतियाँ मिल जाएँगी। इसके बावजूद इन किताबों से देश के अधिकतम स्कूलों में पढ़ाया जा रहा है। क्या यह हमारी आने वाली पीढ़ी के साथ हम गलत नहीं कर रहे हैं? एक समय अपने ज्ञान के कारण विश्वगुरु के नाम से पहचाने जाने वाले इस देश में आज दशा यह है कि हम आने वाली पीढ़ी को सही आधारभूत ज्ञान तक नहीं दे पा रहे हैं। क्या यह हमारे भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं है? जरा सोचिए इस नुकसान का जिम्मेदार आखिर कौन है?

बिहारः बाढ़ नियंत्रण के लिए 11 विशेष सुरक्षा बल तैनात, हर तटबंध पर श्रमिक और हर स्थिति पर शासन की नजर

पटना:

इस वर्ष बिहार में बाढ़ की संभावित स्थिति से निपटने के लिए जल संसाधन विभाग ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। विभिन्न नदियों पर अवस्थित अतिसंवेदनशील स्थलों को चिन्हित कर बाढ़-2025 से पूर्व कटाव निरोधक कार्य पूर्ण करा लिये गए हैं। बाढ़ अवधि के दौरान खतरनाक, अतिसंवेदनशील और संवेदनशील स्थलों पर पर्याप्त मात्रा में बाढ़ संघर्षात्मक सामग्रियों का भंडारण कर लिया गया है। विगत 1 जून से आगामी 31 अक्टूबर तक राज्य के विभिन्न जिलों में चिन्हित किए गए अतिसंवेदनशील व संवेदनशील स्थलों की विशेष निगरानी के इंतजाम किए गए हैं। इसके लिए विभिन्न स्तर पर केन्द्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष और क्षेत्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है। बाढ़ से बचाव के लिए राज्य की विभिन्न नदियों के कुल 394 स्थलों पर राज्य योजना, केन्द्र प्रायोजित व आपदा मद के तहत 1310.09 करोड़ रुपये की लागत से कटाव निरोधक कार्य पूरे हो चुके हैं। इनमें गंगा, कोशी, गंडक, बागमती, बूढ़ी गंडक, कमला बलान, महानंदा आदि नदी बेसिन शामिल हैं। बाढ़ के पूवार्नुमान के लिए पटना में बाढ़ प्रबंधन सुधार सहायक केंद्र के तहत गणितीय प्रतिमान केंद्र ने भी अपना काम शुरू कर दिया है। इस केंन्द्र के द्वारा गंगा नदी के बक्सर से कहलगांव तक सात स्थलों सहित विभिन्न नदियों के कुल 42 स्थलों पर बाढ़ का पूवार्नुमान 72 घंटे पूर्व उपलब्ध हो सकेगा। जल संसाधन विभाग द्वारा खतरनाक और अतिसंवेदनशील स्थलों पर तटबंध एम्बुलेंस की तैनाती की गई है। जिसमें एक ट्रैक्टर पर पोर्टेबल जेनरेटर, हैलोजन लाइट, ईसी बैग, नायलन क्रेट, खाली जिओ बैग एवं फिल्टर मटेरियल के साथ कम से कम दस मजदूरों को तैनात किया गया है। बाढ़ प्रक्षेत्र के कुल 3808 किलोमीटर तटबंध की निगरानी के लिए प्रत्येक एक किलोमीटर पर एक तटबंध श्रमिक की तैनाती की गई है। तटबंधों पर निगरानी एवं चौकसी के लिए पदाधिकारियों एवं श्रमिकों के अस्थाई आवासन, शौचालय एवं पेयजल की व्यवस्था की गई है। बाढ़ के दौरान खतरनाक तटबंधों की सुरक्षा के लिए क्षेत्रीय अभियंताओं को परामर्श देने के लिए अनुभवी व सेवानिवृत अभियंताओं की अध्यक्षता में कुल 11 बाढ़ सुरक्षा बलों का भी गठन किया गया है। नदियों पर निर्मित बराज के माध्यम से नदी के जलश्राव का अनुश्रवण समय-समय पर करते हुए जलश्राव में अप्रत्याशित वृद्धि की स्थिति में संबंधित क्षेत्रीय पदाधिकारियों एवं जिला पदाधिकारियों को भी इसकी सूचना अविलम्ब भेजी जा रही है।

पड़ोसी देश नेपाल के साथ समन्वय

पड़ोसी देश नेपाल में स्थित कोशी बराज एवं तटबंधों पर बाढ़ सुरक्षा के कार्य जल संसाधन विभाग द्वारा कराए जा चुके हैं। नेपाल के जल एवं मौसम विभाग से नेपाल उत्तर बिहार के विभिन्न नदी बेसिन में होने वाले वास्तविक वर्षापात और वर्षा के पूवार्नुमान की सूचना ससमय प्राप्त हो रही है।

नए दलाई लामा की घोषणा: कौन होगा दलाई लामा का उत्तराधिकारी?

>> विचार

"वर्तमान दलाई लामा के देहांत के बाद उनकी आत्मा एक नवजात शिशु में पुनर्जन्म लेती है, जिसकी खोज वरिष्ठ लामाओं द्वारा संकेतों, सपनों, और भविष्यवाणियों के माध्यम से होती है। संभावित बच्चे को पूर्ववर्ती दलाई लामा की वस्तुओं, जैसे माला या छड़ी, को पहचानने की परीक्षा दी जाती है, जिसके बाद उसे बौद्ध धर्म, तिब्बती संस्कृति, और दर्शन की गहन शिक्षा दी जाती है। 14वें दलाई लामा ने संकेत दिया है कि पारंपरिक पुनर्जन्म के अलावा 'उद्भव' भी उत्तराधिकार का एक वैकल्पिक तरीका हो सकता है। इसका अर्थ है कि वे अपने जीवनकाल में भी उत्तराधिकारी चुन सकते हैं, जिससे चीनी हस्तक्षेप से बचा जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि उनका उत्तराधिकारी 'स्वतंत्र दुनिया' में जन्म लेगा।

जयसिंह रावत

तिब्बती बौद्ध धर्म की आत्मा मानी जाने वाली दलाई लामा की परंपरा आज एक ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी है। परंपरागत रूप से दलाई लामा का चयन वर्तमान लामा की मृत्यु के बाद पुनर्जन्म के सिद्धांत के आधार पर होता है, लेकिन चीन के हस्तक्षेप के खतरे ने इस प्रक्रिया को नया आयाम दिया है। 14वें दलाई लामा, तेनजिन ग्यात्सो, ने संकेत दिया है कि अगले दलाई लामा की घोषणा उनके जीवनकाल में भी हो सकती है, ताकि चीनी दखल से बचा जा सके। इस संदर्भ में, 6 जुलाई 2025 को उनके 90वें जन्मदिवस पर धर्मशाला में होने वाले महायोजन में कोई महत्वपूर्ण घोषणा होने की संभावना है। यही कारण है कि न केवल चीन और भारत, बल्कि अमेरिका जैसे अन्य देशों की निगाहें इस तारीख पर टिकी हैं। यह घोषणा न केवल तिब्बती अस्मिता और धार्मिक स्वतंत्रता को मजबूती देगी, बल्कि वैश्विक भू-राजनीति पर भी गहरा प्रभाव डालेगी।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : दलाई लामा, तिब्बती बौद्ध धर्म के गेलुग संप्रदाय के सर्वोच्च नेता, करुणा के बोधिसत्त्व अवलोकितेश्वर के अवतार माने जाते हैं। यह उपाधि पहली बार 1578 में मंगोल शासक अल्तान खान द्वारा तीसरे दलाई लामा, सोनम ग्यात्सो को दी गई थी। 17वीं शताब्दी में पांचवें दलाई लामा ने गदेन फोड्रांग सरकार के माध्यम से तिब्बत में आध्यात्मिक और राजनीतिक सत्ता स्थापित की। वर्तमान 14वें दलाई लामा, तेनजिन ग्यात्सो, का जन्म 6 जुलाई 1935 को उत्तर-पूर्वी तिब्बत में एक किसान परिवार में हुआ था। दो वर्ष की आयु में उन्हें 13वें दलाई लामा के पुनर्जन्म के रूप में पहचाना गया। 1959 में चीनी आक्रमण के बाद वे भारत में निर्वासन में आए और धर्मशाला को तिब्बती निर्वासित सरकार का केंद्र बनाया। 1989 में उन्हें शांति और अहिंसा के लिए नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जिसने उन्हें वैश्विक स्तर पर शांति का प्रतीक बनाया।

उत्तराधिकार की प्रक्रिया : तिब्बती बौद्ध परंपरा में दलाई लामा का चयन पुनर्जन्म के सिद्धांत पर आधारित है। वर्तमान दलाई लामा के देहांत के बाद उनकी आत्मा एक नवजात शिशु में पुनर्जन्म लेती है, जिसकी खोज वरिष्ठ लामाओं द्वारा संकेतों, सपनों, और भविष्यवाणियों के माध्यम से होती है। संभावित बच्चे को पूर्ववर्ती दलाई लामा की वस्तुओं, जैसे माला या छड़ी, को पहचानने की परीक्षा दी जाती है, जिसके बाद उसे बौद्ध धर्म, तिब्बती संस्कृति, और दर्शन की गहन शिक्षा दी जाती है। 14वें दलाई लामा ने संकेत दिया है कि पारंपरिक पुनर्जन्म के अलावा 'उद्भव' भी उत्तराधिकार का एक वैकल्पिक तरीका हो सकता है। इसका अर्थ है कि वे अपने जीवनकाल में भी उत्तराधिकारी चुन सकते हैं, जिससे चीनी हस्तक्षेप से बचा जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि उनका उत्तराधिकारी 'स्वतंत्र दुनिया' में जन्म लेगा, संभवतः भारत, उत्तराखंड, हिमाचल, या लद्दाख जैसे क्षेत्रों में, न कि चीन के नियंत्रण वाले क्षेत्र में। यह प्रक्रिया गदेन फोड्रांग ट्रस्ट द्वारा संचालित होगी, जो 2015 में स्थापित किया गया था और तिब्बती बौद्ध परंपराओं के प्रमुखों के परामर्श से कार्य करेगा।

भू-राजनीतिक महत्व : दलाई लामा का उत्तराधिकार केवल धार्मिक नहीं, बल्कि वैश्विक भू-राजनीति का एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। 1951 में तिब्बत पर चीन के कब्जे के बाद से, बीजिंग ने तिब्बती बौद्ध धर्म को नियंत्रित करने का प्रयास किया है। 1995 में, जब दलाई लामा ने गेधुन चोएक्यी न्यिमा को 11वें पंचेन लामा के रूप में मान्यता दी, तो चीन ने उस बच्चे को हिरासत में ले लिया, जिसका ठिकाना आज तक अज्ञात है। इसके बजाय, चीन ने अपने चुने हुए पंचेन लामा को स्थापित किया, जिसे तिब्बती समुदाय ने अस्वीकार कर दिया। चीन का दावा है कि उसे 1793 के किंग राजवंश की 'गोल्डन अर्न' प्रक्रिया के तहत दलाई लामा के उत्तराधिकारी को मंजूरी देने का अधिकार है, लेकिन दलाई लामा और तिब्बती समुदाय इसे धार्मिक स्वायत्तता पर हमला मानते हैं। दलाई लामा की हालिया घोषणा, जिसमें उन्होंने गदेन फोड्रांग ट्रस्ट को उत्तराधिकारी चयन की जिम्मेदारी सौंपी, चीन के लिए एक सीधी चुनौती है। अगर अगला दलाई लामा भारत के तवांग क्षेत्र में चुना जाता है, जहां छठा दलाई लामा जन्मे थे, तो यह भारत-चीन संबंधों में नए तनाव का कारण बन सकता है।

तिब्बतियों को चीन के हस्तक्षेप की आशंका : चीन तिब्बती बौद्ध धर्म को नियंत्रित करना चाहता है ताकि तिब्बत, जिसे अब "ज़िज़ांग" कहते हैं, पर अपनी सत्ता मजबूत कर सके। उसने दलाई लामा जैसे जीवित बुद्धों के चयन के लिए कानून बनाए हैं और कहता है कि केवल उसका चुना 15वां दलाई लामा ही वैध होगा। "ज़िज़ांग में मानवाधिकार" श्वेत पत्र में "वैधानिक" धार्मिक गतिविधियों पर जोर है। 2016 से चीन ने पुनर्जनन की पहचान के लिए ऑनलाइन सिस्टम शुरू किया है। वह गोल्डन ४१ल्ल विधि या राजनीतिक प्रक्रिया से अपने चुने उत्तराधिकारी की निष्ठा सुनिश्चित कर सकता है। 1959 से धर्मशाला में रह रहे 14वें दलाई लामा ने चीन के दावे को खारिज किया। अपनी पुस्तक वॉयस फॉर द वॉयसलेस में उन्होंने कहा कि उनका उत्तराधिकारी "स्वतंत्र दुनिया" में, चीन के बाहर जन्मेगा। उन्होंने गदेन फोदरांग ट्रस्ट को उत्तराधिकारी चुनने की जिम्मेदारी दी और चीन के चुने को अवैध माना। इससे दो दलाई लामाओं की स्थिति बन सकती है। चीन को विरोधों की चिंता नहीं, क्योंकि तिब्बत में उसकी सेना मजबूत है। वह केंद्रीय तिब्बती प्रशासन को अमेरिकी समर्थन को भी नजरअंदाज करता है। बीजिंग का लक्ष्य तिब्बती बौद्ध धर्म के भविष्य पर नियंत्रण है, जो धार्मिकता से ज्यादा राजनीति को प्राथमिकता देता है।

भारत की संवेदनशील स्थिति : भारत, जो 1959 से दलाई लामा और तिब्बती निर्वासित सरकार को शरण दे रहा है, एक नाजुक संतुलन बनाए रखता है। एक ओर वह चीन के आक्रामक रवैये का सामना करता है, वहीं दूसरी ओर तिब्बती लोगों के सांस्कृतिक और धार्मिक अधिकारों का समर्थन करता है। भारत में लगभग 1,00,000 तिब्बती शरणार्थी रहते हैं, और धर्मशाला निर्वासित सरकार का केंद्र है। अगर 15वें दलाई लामा की खोज भारत में होती है, तो यह तिब्बती स्वतंत्रता आंदोलन को मजबूती देगा और भारत-चीन संबंधों में एक नया विवाद पैदा कर सकता है।

अमेरिका और पश्चिमी जगत की भूमिका : अमेरिका ने "तिब्बती नीति एवं समर्थन अधिनियम, 2020" और हाल के एक द्विदलीय प्रस्ताव के माध्यम से स्पष्ट किया है कि दलाई लामा के उत्तराधिकारी का चयन केवल तिब्बती बौद्ध परंपराओं के अनुसार होगा। यह अधिनियम अमेरिका को उन चीनी अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाने का अधिकार देता है जो इस प्रक्रिया में हस्तक्षेप करेंगे। दलाई लामा की घोषणा ने अमेरिका को नैतिक और कूटनीतिक समर्थन प्रदान किया है, जिससे वह चीन पर दबाव बढ़ा सकता है।

तिब्बती समुदाय में आशा और आशंका : दलाई लामा ने अपने हालिया वीडियो संदेश में स्पष्ट किया कि उनके पुनर्जन्म की प्रक्रिया में परंपरा का पालन होगा। बीते 14 वर्षों में इस विषय पर उनकी चुप्पी से तिब्बती समुदाय में चिंता थी कि यह परंपरा समाप्त हो सकती है। उनकी इस घोषणा ने न केवल आश्वासन दिया, बल्कि आध्यात्मिक उत्तराधिकार की निरंतरता का मार्ग भी प्रशस्त किया। गदेन फोड्रांग ट्रस्ट इस प्रक्रिया को कई वर्षों तक चला सकता है, जिसमें धर्म रक्षक, भविष्यवाणी करने वाले संकेत, और तिब्बती बौद्ध संस्थानों की सलाह शामिल होगी।

संपादकीय

जानलेवा जाम

निस्संदेह, हाल के वर्षों में भारत में राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस-वे आदि का आशातीत विस्तार हुआ है। सड़कों के नेटवर्क सुधार से उपभोक्ताओं के समय व धन की बचत हुई है तो उद्योग-व्यापार को भी गति मिली है। लेकिन इससे जुड़ी तमाम विसंगतियां भी सामने आई हैं। सड़कों के त्रुटिपूर्ण डिजाइन व निर्माण में चूक को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। पिछले हफ्ते मध्यप्रदेश में लगातार 40 घंटे लगे जाम से जहां हजारों लोगों को घंटों परेशान होना पड़ा, वहीं जाम में फंसकर तीन लोगों की मौत हुई है। निश्चय ही यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण है, जिसको लेकर शासन-प्रशासन के साथ ही भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण यानी एनएचएआई को गंभीरता से लेना चाहिए। उन तमाम आशंकाओं को टालना चाहिए जो भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति के कारक बन सकते हैं। बहरहाल, मध्यप्रदेश की घटना को लेकर एनएचएआई की आलोचना की जा रही है। इस घटना के बारे में एनएचएआई के एक अधिकारी की संवेदनहीन टिप्पणी को लेकर भी सवाल उठे हैं। यहां तक कि मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने भी एनएचएआई के रुख को कठोर और संवेदनहीन बताया है, जो जमीनी हकीकत को नजरअंदाज करने वाला है। दरअसल, एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान अदालत ने एनएचएआई को दोषपूर्ण और देर से सड़क निर्माण के लिये फटकार लगायी है, जिसके कारण आगरा-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग के इंदौर-देवास खंड में जाम लग गया था। बताते हैं कि एनएचएआई के कानूनी सलाहकार ने इस बाबत संवेदनहीन टिप्पणी की कि लोग बिना किसी काम के घर से इतनी जल्दी क्यों निकलते हैं? इस टिप्पणी ने लोगों में आक्रोश पैदा कर दिया। निश्चित रूप से इस दुर्घटना और हजारों लोगों के घंटों जाम में फंसे रहने के मामले में जहां एनएचएआई की तरफ से माफी मांगने की जरूरत थी, वहीं उसने दुर्भाग्यपूर्ण घटना के लिये दोष लोगों पर लगाते हुए असंवेदनशील बयान दे डाला। जिसके खिलाफ तल्ख प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक था। यही प्रतिक्रिया अदालत की टिप्पणी में भी झलकती है। इसमें दो राय नहीं कि अकसर बड़ी सड़कों और राजमार्ग परियोजनाओं के निर्माण के दौरान अंतहीन असुविधा भारतीय यात्रियों के लिए रोजमर्रा के अनुभव हैं। अधिकांश साइटों पर निर्माण से जुड़ी, यात्रियों के अनुकूल सर्वोत्तम परंपराओं को अपनाना और यातायात में व्यवधान को कम से कम करना सुनिश्चित नहीं किया जाता है। निस्संदेह, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय संभाल रहे केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की सक्रियता व प्रतिबद्धता की अकसर सराहना होती रहती है। वे सड़कों की गुणवत्ता और सुरक्षा मापदंडों को बढ़ाने को लेकर लगातार अभियान चलाते भी रहते हैं। हालांकि, वे भी मानते रहे हैं कि अभी सुधार की काफी गुंजाइश है। निस्संदेह, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण निरंतर यातायात को सुगम मानकों के अनुरूप बनाने के लिये प्रयासरत रहता भी है। निश्चित रूप से स्थलों की स्थिति और भूमि अधिग्रहण के तमाम विवाद भी हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण काम राजमार्गों की व्यावहारिक दिक्कतों को दूर किया जाना होना चाहिए। दरअसल, योजनाओं का धरातल पर क्रियान्वयन बड़े पैमाने पर निर्माण फर्मों और ठेकेदारों के माध्यम से किया जाता है। जिसमें व्यापक अनुभव, क्षमता और नैतिकता जैसे कारक मिलकर भूमिका निभाते हैं। निस्संदेह, काम की गुणवत्ता समस्याओं के समाधान में मददगार साबित हो सकती है। लेकिन जरूरी है कि इस काम में बाह्य हस्तक्षेप राजनीतिक व अन्य स्तर पर न हो। जैसा कि हिमाचल प्रदेश में एक मंत्री पर एनएचएआई के दो अधिकारियों के साथ मारपीट का मामला प्रकाश में आया है। जिसमें मंत्री के खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज की गई है। जिसको लेकर कई आरोप-प्रत्यारोप सामने आए हैं। निस्संदेह, हाल के वर्षों में भारत में सड़कों का नेटवर्क काफी सुधरा है। लेकिन एनएचएआई को अपनी कार्यशैली पर पुनर्विचार करना चाहिए। जिससे भविष्य में लंबे जाम लगने और दुर्घटनाओं को टाला जा सके। निस्संदेह, देश के शहरों में आए दिन जाम लगने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। शासन-प्रशासन को इसके तार्किक समाधान की दिशा में वैज्ञानिक तरीके से गंभीरता के साथ प्रयास करने चाहिए। जाम की सूचना मिलने पर उसे खुलवाने की तत्काल पहल होनी चाहिए। यात्रियों के लिये तुरंत चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होनी चाहिए ताकि भविष्य में जाम में फंसकर किसी की जान न जाए।

पिघलते ग्लेशियरों में जल संकट की आहट

ज्ञानेन्द्र रावत

दुनियाभर के ग्लेशियर खत्म होने की कगार पर हैं। वे तेजी से पिघल रहे हैं। अगर इनके पिघलने की यही रफ्तार जारी रही तो आने वाले दशकों में दुनिया एक-एक बूंद पानी को तरस जायेगी। दरअसल, जलवायु की प्रचंड आंधी ग्लेशियरों को निगल रही है। यह केवल बर्फ का पिघलना नहीं है; इससे बाढ़, भूस्खलन और हिमस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं का खतरा बढ़ता है, साथ ही यह बुनियादी ढांचे, कृषि उत्पादन और जलीय-स्थलीय पारिस्थितिक तंत्र पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। वैज्ञानिकों की मानें तो साल 2000 से 2023 के बीच बर्फ के ये पहाड़ यानी ग्लेशियर 650,000 करोड़ टन बर्फ खो चुके हैं। यह सिलसिला जारी है। वेनेजुएला पहला देश है जिसने जलवायु परिवर्तन के असर के चलते अपने सभी ग्लेशियर खो दिये। बीसवीं सदी के मध्य में पश्चिमी संयुक्त राज्य अमेरिका में करीब 400 ग्लेशियर गायब हुए। ग्लेशियरों के पिघलने की स्थिति अंटार्कटिका, आर्कटिक, ग्रीनलैंड, आल्प्स, रॉकीज़, आइसलैंड, हिंदूकुश, स्विट्ज़रलैंड या ब्रिटेन-सभी जगह लगभग एक जैसी है। वर्ष 2010 से पहले आर्कटिक और अंटार्कटिका में जो बर्फ की चादर बिछी होती थी, उसमें लाखों वर्ग किमी की कमी हो गयी है। अंटार्कटिका का सबसे बड़ा हिमखंड ए 23 फिर खिसक रहा है जो महासागरों की धाराओं द्वारा बहाकर लाया गया है और अभी दक्षिण जार्जिया के गर्म जल की ओर बढ़ रहा है। यहां यह टूटकर पिघलने की प्रक्रिया में है। बर्फ के प्राकृतिक रूप से बढ़ने की क्रिया के कारण यह हिमखंड टूटकर अलग हुआ है। वैज्ञानिक मानते हैं कि यह सब जलवायु परिवर्तन के कारण हो रहा है जिसने समुद्र का जलस्तर बढ़ने का खतरा पैदा कर दिया है। ग्रीनलैंड में जहां बीते 13 साल में 2,347 क्यूबिक किलोमीटर बर्फ गायब हो गयी है। ग्रीनलैंड की बर्फ पिघलने से दुनियाभर में समुद्र के जलस्तर में बदलाव हुआ। मौसम के पैटर्न में भी बदलाव सामने आया है। स्विट्ज़रलैंड के प्रसिद्ध रोन ग्लेशियर सहित आल्प्स पर्वत शृंखला के कई ग्लेशियरों में बर्फ के नीचे सुरंगें और गड्ढे हो गये हैं। तेजी से बढ़ रहे तापमान के कारण अब ग्लेशियर सिर्फ पिघल नहीं रहे हैं, भीतर से खोखले भी हो रहे हैं। हिंदूकुश क्षेत्र के ग्लेशियर से नवम्बर से मार्च तक बर्फ में 23.6 फीसदी की रिकॉर्ड गिरावट दर्ज हुई है। यह बीते 23 सालों में सबसे कम है। नतीजन पूरे दक्षिण एशियाई क्षेत्र में जल संकट का खतरा मंडरा रहा है। बर्फबारी में यह गिरावट लगातार तीसरे साल दर्ज की गयी है। जलवायु बदलाव और स्थलाकृति के कारण मध्य हिमालय का एक ग्लेशियर तेजी से खिसक रहा है। ग्लेशियरों की चिंताओं के बीच यह नया संकट है। दरअसल, ग्लेशियर आगे की ओर खिसकने की घटनाएं अभी तक अलास्का, कराकोरम और नेपाल में सामने आती थीं। वैज्ञानिक इसमें ग्लोबल वार्मिंग, तापीय इफेक्ट और उस इलाके की टोपोग्राफी को मुख्य वजह मान रहे हैं। वैज्ञानिक इस ग्लेशियर का उद्गम भारत में और निकास तिब्बत की ओर मानते हैं। इससे तिब्बत से लेकर धौलीगंगा तक बाढ़ का खतरा बना हुआ है। ग्लेशियर में इस बदलाव की स्थिति निचले इलाकों के लिए खतरनाक हैं। ग्लोबल वार्मिंग वैश्विक स्तर पर मौजूद ग्लेशियरों को नुकसान पहुंचा रही है। वह हिमालयी क्षेत्र में 37,465 वर्ग किलोमीटर में फैले कुल 9575 ग्लेशियरों को भी अपनी चपेट में ले चुकी है। ये ध्रुवीय क्षेत्र के बाहर दुनिया के सभी पर्वतीय क्षेत्रों में जमे ताजे पानी के सबसे बड़े भंडार हैं। इसे विश्व का तीसरा ध्रुव भी कहते हैं। एशिया की 10 प्रमुख नदियों को पानी देने वाले इन ग्लेशियरों से सिंधु, गंगा, ब्रह्मपुत्र जैसी तीन नदियां विभाजित हुई हैं। कश्मीर में भी ग्लेशियर पिघल रहे हैं। यहां भी पानी का संकट है। यहां लिद्दर नदी का मुख्य स्रोत कोलाहोई ग्लेशियर और तेजवान ग्लेशियर का दायरा ढाई किलोमीटर से भी ज्यादा घट गया है। इससे बड़ा खतरा यह हुआ कि पहाड़ों पर कई छोटी-छोटी झीलें बन गयी जो ज्यादा हिमस्खलन की स्थिति में कभी भी फट सकती हैं। इसरो की रिपोर्ट को मानें तो हिमालय की 2432 ग्लेशियर झीलों में से 676 का आकार तेजी से बढ़ रहा है। इनमें से भारत में मौजूद 130 झीलों के टूटने का खतरा बढ़ता जा रहा है। मध्य हिमालयी राज्य उत्तराखंड में ग्लेशियर झीलें खतरे की घंटी बजा ही रही हैं। फिर नदियों का जलस्तर भी कम हो रहा है। गौरतलब है कि सूखे के मौसम में यही बर्फ नदियों में पानी का स्रोत होती है। ऐसे में बर्फ में इस भारी गिरावट का असर भारत या आसपास के देशों के लगभग दो अरब लोगों की जलापूर्ति पर पड़ेगा। कार्बन उत्सर्जन इस इलाके में बर्फ की कमी का कारण है। साथ ही सीमापार जल प्रबंधन और कार्बन उत्सर्जन न्यूनीकरण के लिए नये सिरे से क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने की भी जरूरत है। आमतौर पर नदियों के पानी का 23 फीसदी हिस्सा बर्फ पिघलने से आता है लेकिन इस बार बर्फ में सामान्य से 23.6 फीसदी की गिरावट चिंतनीय है। यूनेस्को ने भी चेताया है कि ग्लेशियरों के पिघलने की यदि मौजूदा दर बनी रही तो इसके परिणाम अभूतपूर्व और विनाशकारी हो सकते हैं।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं पर्यावरणविद् हैं।

एएसआई की खोदाई और गोवर्धन में छिपी सभ्यताएं

अमित मुद्गल

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) भले ही महाभारत काल को मान्यता न देता हो, पर मथुरा से सटे और गोवर्धन पर्वत की तलहटी में बसे राजस्थान के बहज गांव के टीले पर पिछले साल से खोदाई कर रहे एएसआई को हजारों साल पुरानी सभ्यताओं के साक्ष्य मिल रहे हैं। एएसआई इस टीले को गोवर्धन पर्वत का ही भाग मानता है। महाभारत काल करीब पांच हजार वर्ष पूर्व का माना जाता है। पिछले साल भगवान श्रीकृष्ण का 5251वां प्राकट्योत्सव मना था। खोदाई के साक्ष्य इसी ओर इशारा और भगवान श्रीकृष्ण के अस्तित्व की आम अवधारणा को मजबूत करते हैं। इसी अवधारणा को लेकर हाईकोर्ट में श्रीकृष्ण जन्मस्थान के मूल गर्भगृह पर मंदिर बनाने के लिए मुकदमा चल रहा है। खोदाई में गणेश्वर सभ्यता के प्रमाण मिले हैं। यहां तीन हजार साल पुरानी शिव-पार्वती की प्रतिमा, मौर्यकालीन मातृदेवी प्रतिमा का सिर, सिक्के, यज्ञ कुंड, धातु के औजार और शुंग कालीन अश्विनी कुमारों की मूर्ति फलक, तो दुर्लभ टेराकोटा पाइप मिले हैं। खोदाई का नेतृत्व कर रहे अधीक्षण विनय कुमार गुप्ता ने बीते दिनों बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में प्रस्तुति देकर इन अवशेषों को विशेष बताया था। खोदाई से यह बात भी साफ हो गई है कि इस क्षेत्र की सभ्यता मध्य और उत्तर पाषाण कालीन है। यानी लगभग ढाई लाख वर्ष पुरानी सभ्यता के भी यहां प्रमाण मिले। एक लुप्त नदी के प्रमाणों ने पुरातत्वविदों के चेहरे पर और चमक ला दी है। पुरातत्व विभाग यह साबित कर चुका है कि गोवर्धन पर्वत पुरापाषाण काल का है। यह खोदाई कई पुरानी मान्यताओं को भी बदल रही है। आजादी के बाद मथुरा क्षेत्र में पहली खोदाई 1954-55 में जन्मभूमि के पास हुई थी। उस समय यहां धूसर मृदभांड संस्कृति मिली। हालांकि, यह रिपोर्ट प्रकाशित नहीं हो पाई थी। उस वक्त यह सिद्धांत गढ़ने की कोशिश हुई कि मथुरा व आसपास का क्षेत्र पांचवीं-छठी शताब्दी ईसा पूर्व का छोटा-सा गांव था और उससे पहले यहां संस्कृति नहीं थी। बाद में जब विदेशी आक्रांता आए, तब यह मेट्रोपोलिटन सिटी बनने की दिशा में आगे बढ़ा। अब विनय कुमार गुप्ता ने न केवल अपनी रिपोर्ट में इसका खंडन किया, बल्कि बताया कि इस क्षेत्र में ढाई किलोमीटर के टीले पर भरपूर मात्रा में चित्रित धूसर मृदभांड मिले हैं। यहां कई ऐसे साक्ष्य मिल रहे हैं, जिनसे विशेषज्ञ भी अचंभित हो रहे हैं। पुरातत्वविद अब इस पर काम कर रहे हैं कि यहां खेती एवं पशुपालन की शुरुआत कब हुई। मशहूर पुरातत्वविद एवं इतिहासकार डॉ. उपिंदर सिंह ने इस टीले का भ्रमण किया और विजिटर बुक में लिखा, 'यह खोदाई नई मान्यताओं एवं खोजों को नई दिशा देगी।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक , प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा न्यू लोक भारती प्रेस, वार्ड 10 कोकर औद्योगिक क्षेत्र कोकर रांची से मुद्रित तथा ई -37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित, संस्थापक संपादक :स्व. राधाकृष्ण चौधरी
प्रबंध संपादक : अरूण कुमार चौधरी, फोन: 9471170557/08084674042, ई-मेल : Divyadinkarranchi @ gmail.com,RNI Regd. No. : JHAHIN/2013/54373Postal Registration No. : RN-11/2012)

संक्षिप्त समाचार

अखिल भारतीय शौंडिक संघ जम्होर पंचायत इकाई का हुआ गठन

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- सदर प्रखंड स्थित जम्होर के पुनपुन रोड स्थित प्राचीन राधा कृष्ण ठाकुरवाड़ी मंदिर के प्रांगण में अखिल भारतीय शौं-डिक संघ जम्होर पंचायत ईकाई की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई ।संघ के दक्षिण बिहार के प्रभारी जितेंद्र गुप्ता के देखरेख में हुई बैठक में संस्था की कमिटी गठित की गई, जिसमें पंकज गुप्ता को अध्यक्ष, मनीष कुमार गुप्ता को महासचिव, कुंदन कुमार गुप्ता को उपाध्यक्ष, रितिक कुमार गुप्ता को कोषाध्यक्ष, पिंटू कुमार गुप्ता को सचिव एवं राहुल कुमार गुप्ता को मीडिया प्रभारी बनाया गया। साथ ही साथ संगठन के सुव्स्थित एवं सुचारू रूप से संचालित करने वास्ते संरक्षक मंडल बनाया गया ।मुख्य संरक्षक जितेश्वर प्रसाद बनाए गए। संरक्षक के रूप में अंतू प्रसाद शशि प्रसाद ,संजय प्रसाद, रवि शौंडिक, श्रवण प्रसाद, सूरज प्रसाद ,नवनीत गुप्ता धीरज कुमार अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे ।सभी सदस्यों ने एक स्वर में संकल्प दोहराया कि वे संस्था के लिए निस्वार्थ भाव से कार्य करेंगे एवं जिनको जो जिम्मेवा-री दी गई है वे उस जिम्मेवारी को निडरता पूर्वक कार्य करने का प्रयास करेंगे।

पुरहरा पंचायत के रघुनाथपुर गांव में सूर्य मंदिर के समीप छठ घाट का निर्माण हुआ पूरा

रिपोर्ट - निशांत कुमार

औरंगाबाद :- हसपुरा प्रखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत पुरहरा पंचायत के रघुनाथपुर गांव में सूर्य मंदिर के प्रांगण में साथ जुड़े पोखर में छठी घाट का शुभ आरंभ मैं बताते चलूं की पुरहरा पंचायत का पूर्व मुखिया राजकुमार उर्फ छोटू जी ने अपने निजी पैसे से इस छठी घाट का निर्माण करते हुए ग्रामीणों ने छोटू मुखिया के इस कार्य से खुश होकर लोगों ने बताया कि अगर हमारे पुरहारा पंचायत के सामाजिक कार्य और सामाजिक कार्यक्रम को करने वाला ऐसे इंसान को आज भी जरूरत है एवं रघुनाथपुर के ग्रामीण जनता ने कहा कि अगर हमारे गांव में इस तरह का कार्य हो रहा है तो बहुत ही सौभाग्य की बात है क्योंकि हम लोगों का रघुनाथपुर गांव से देवकुंड धाम का दूरी 8 किलोमीटर पड़ता है बाबा भास्कर की नगरी में जाने के लिए और उपस्थिति रही, जिन्होंने इस बहुप्रतीक्षित कार्य की शुरूआत पर हर्ष लिए उपस्थित ग्रामीणों ने का आभार व्यक्त किया और कहा कि अब छठ पर्व के दौरान श्रद्धालुओं को कोई परेशानी नहीं होगी।

राजद के स्थापना दिवस कार्यक्रम की तैयारी को लेकर पटना में राज्य परिषद सदस्यों का होगा जुटान

नव मनोनीत राज्य परिषद सदस्य के साथ राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद करेंगे आगामी चुनाव को लेकर चर्चा

जमालपुर।

आगामी 5 जुलाई को राष्ट्रीय जनता दल के स्थापना दिवस समारोह के मौके पर राजधानी पटना स्थित बापू सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव बिहार समेत बिहार के अन्य राज्यों में बनाए गए राष्ट्रीय परिषद सदस्यों के साथ पार्टी की रणनीतियों पर चर्चा करेंगे। राष्ट्रीय जनता दल पार्टी के उक्त समारोह में राष्ट्रीय जनता दल के अगले राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम की घोषणा की जाएगी। जानकारी देते हुए राजद के राज्य परिषद सदस्य सह आरजेडी बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के प्रमंडल प्रभारी राजेश रमण उर्फ राजू यादव ने बताया कि 5 जुलाई 2025 को राष्ट्रीय जनता दल के स्थापना दिवस के अवसर पर पटना के बापू सभागार में राष्ट्रीय परिषद की बैठक रखी गई है। जिसमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के औपचारिक नाम की घोषणा की जाएगी। पूरे देश से राष्ट्र परिषद के लोग वहां उपस्थित होंगे। पार्टी द्वारा उन्हें भी राष्ट्रीय परिषद सदस्य बनाया गया है। इसके लिए मैं पार्टी का तहे दिल से शुक्रगुजार हूं। हमारे नेता तेजस्वी प्रसाद यादव युवाओं को बढ़ चढ़कर पार्टी और समाज में काम करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। जिला कोषाध्यक्ष नागेश्वर यादव ने कहा कि राजेश रमण को राष्ट्रीय परिषद का सदस्य बनाए जाने पर प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी को धन्यवाद देता हूं कि पार्टी के आलाकमान के द्वारा एक संघर्षशील व सामाजिक नेता को राष्ट्रीय परिषद के लिए जगह दिया गया। इससे पूरे मुंगेर जिला में कार्यकताओं के बीच हर्ष का माहौल है। बधाई देने वालों में आदर्श कुमार राजा, पूर्व जिला अध्यक्ष देवकीनंदन सिंह, राजा-राम गुप्ता, अर्जुन मंडल, राजेश मंडल, राकेश चौधरी, लालू कुमार, प्रशांत रंजन, विमल कुमार, मंतोष कुमार, निर्मल कुमार के अलावा राजद के अन्य कार्यकर्ता सोशल मीडिया के माध्यम से लगातार संदेश जारी कर रहे हैं।

सुशासन की सरकार में दलित महादलित को नहीं मिल रहा न्याय, दर-दर भटक रहे अंबेडकर सोसाइटी के लाभूक

पटना :

राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री भूमि सुधार विभाग और कुम्हारार अंचलाधिकारी पटना की मनमानी रेवये से बिहार सरकार के द्वारा अर्वंटित भूमि को बर्खास्त करने में प्राथमिकता नहीं देना दुर्भाग्यपूर्ण है. आपको आगे बताते चलें कि भूमिहीन दलित महादलित परिवार को अंबेडकर आवास योजना के तहत राज्य सरकार के द्वारा नगर निगम दीघा क्षेत्र के पास चार एकड़ भूमि का आवंटन किया गया. इसी संदर्भ में दलित और महादलित समुदाय के भूमिहीन को पर्चा देने में आखिर विलंब क्यों? एक तरफ भूमि सुधार राजस्व मंत्री पूरे बिहार में अंचल कार्यालय को त्वरित कार्रवाई करने के लिए निर्देशित दिया गया है बावजूद अंबेडकर सोसायटी कॉलोनी के लाभुकों को अब तक दर्जा नहीं मिलना क्या यह राजस्व भूमि सुधार मंत्री के निर्देश को भी कुम्हारार अंचलाधिकारी ने धाता बताने का काम किया है. आखिर इस दलित महादलित लाभार्थी के साथ भेद भाव क्यों?

पूर्व सांसद वरीय अधिवक्ता रमेश प्रसाद सिंह की जयंती मनाई गई

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- मुख्यालय स्थित रमेश चौक पर पुर्व सांसद वरीय अधिवक्ता रमेश प्रसाद सिंह की जयंती धुमधाम से मनाया गया जिसकी अध्यक्षता रमेश प्रसाद सिंह मेमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष कन्हैयालाल जैन ने किया और संचालन सचिव प्रमोद कुमार सिंह ने किया, अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि बड़ी संख्या में उपस्थित अधिवक्ताओं और समाजसेवी वक्ताओं ने कहा कि औरंगाबाद के स्मरणीय सपूतों की परम्परा में स्व : रमेश प्रसाद सिंह अविस्मरणीय है 03 जुलाई 1920 के जन्मे और लोक जीवन से जुड़े हुए इस महापुरुष ने न केवल औरंगाबाद के सामान्य जन की आकांक्षा तथा आवाज को भारत की राजधानी तक पहुंचाया बल्कि वर्ग सम्प्रदाय और क्षेत्रीय सीमाओं से उपर उठकर भारत के गांवों की आवाज को लोकसभा तक पहुंचाने में कोई कमी नहीं की, राजनीति के इस पुरोधा का व्यक्तित्व बहुमुखी बहुचर्चित और प्रतिभा सम्पन्न थे,विधि क्षेत्र में गोल्ड मेडलिस्ट रमेश प्रसाद सिंह औरंगाबाद के व्यस्ततम अधिवक्ताओ में से एक थे, राजर्षि विधा मंदिर, युगल माध्यमिक विद्यालय, संस्कृत उच्च विद्यालय औरंगाबाद और बारूण हाई स्कूल के संस्थापक सचिव एवं अध्यक्ष रहे औरंगाबाद लायन्स क्लब की भी स्थापना की थी जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद के पुस्तकालय का

नाम रमेश प्रसाद सिंह लाईब्रेरी है,जनमानस के भावनाओं को ध्यान में रखते हुए 14 अक्टूबर 1985 को औरंगाबाद नगरपालिका ने एक प्रस्ताव पारित किया जिसके अनुसार औरंगाबाद हृदय स्थल मुख्य चौक का नाम रमेश चौक किया गया और उनकी प्रतिमा स्थापित किया गया,आज बहुत से युवा अधिवक्त-ाओं के आर्दश रमेश प्रसाद सिंह है उनके नाम से बना रमेश प्रसाद सिंह मेमोरियल ट्रस्ट औरंगाबाद समाजसेवा में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं, पूर्व सांसद रमेश प्रसाद सिंह महिलाओं के शिक्षा के आवश्यकता देखते हुए श्रीमती किशोरी सिन्हा महाविद्यालय के स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी विधायकों के पेंशन योजना अस्वीकार कर समाजसेवी के क्षेत्र में एक मिसाल कायम किया था,गया - औरंगाबाद-जहानाबाद में सलाहकारिता आंदोलन उनकी देन थी उनके यश और कृति अमर रहेगा इस अवसर पर वरीय अधिवक्ता कुमार योगेन्द्र नारायण सिंह, जिला विधिक संघ अध्यक्ष विजय कुमार पाण्डेय, पुर्व अध्यक्ष रसिक बिहारी सिंह, मह-ावीर प्रसाद जैन,अजय कुमार गुप्ता, जितेन्द्र कुमार सिंह, विशाल कुमार जैन, अरूण कुमार सिंह, शिवनारायण सिंह, राकेश कुमार सिंह उर्फ पप्पू सिंह, गुप्तेश्वर सिंह,प्रो कुमार विरेन्द्र,लखन प्रसाद, सुजीत कुमार सिंह, सुबोध कुमार सिंह, राजेश कुमार सिंह, अधिवक्ता इंद्रदेव यादव, रामनरेश प्रसाद, देवकांत, कमलेश सिंह, देवी दयाल सिंह, अजीत कुमार सिंह,अजीत चंद्रा,पिंटू गुप्ता, रामजी प्रसाद,श्यामबली पासवान सहित अन्य उपस्थित थे।

विष्णुधाम में शीघ्र ही होगा सौंदर्यीकरण का कार्य, विष्णुधाम महोत्सव अध्यक्ष- अजीत कुमार सिंह

विष्णुधाम महोत्सव अध्यक्ष अजीत कुमार सिंह ने कहा कि जिला पदाधिकारी जी का प्रयास अति प्रशंसनीय हैं

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के विष्णुधाम महोत्सव के अध्यक्ष अजीत कुमार सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि विष्णुधाम मंदिर के सौंदर्यीकरण का कार्य दो तीन दिनों के अंदर प्रारंभ हो जाएगा। सूत्रों से जानकारी प्राप्त होने के उपरांत अजीत कुमार सिंह ने कहा कि श्री सीमेंट के प्रबंधन ने जम्होर के एक प्रसिद्ध और अनुभवी ठेकेदार सिद्धार्थनाथ शाहदेव उर्फ अंशु सिंह जी को यह कार्य आवंटित किया है। श्री सीमेंट के प्रबंधन व्यवस्था के श्री राठौर जी के द्वारा बताया गया कि जम्होर के इस कंपनी के पास कार्य का व्यापक अनुभव है और इस कंपनी ने मोर डेहरी से जम्होर तक का पक्का ढ़लैया रोड समुचित ढंग से बनाया है और इस आधार पे ही इस कंपनी को यह कार्य आवंटित किया गया है। और यह कंपनी ईमानदारी पूर्वक यह कार्य संपन्न करेगी। अतः जम्होर विष्णुधाम मंदिर का सौंदर्यीकरण का कार्य देव सूर्य मंदिर के समान ही किया जायेगा। इसके अलावा इस मंदिर प्रांगण में हाइ मास्क लाइट एवं पुनपुन नदी के किनारे मोक्ष धाम का कार्य भी एक दो दिनों के

अंदर प्रारंभ कर दिया जाएगा इसके लिए भी एजेंसी का चयन कर लिया गया है। विष्णुधाम महोत्सव के अध्यक्ष अजीत कुमार सिंह ने कार्य की गुणवत्ता पे निगरानी के लिए महोत्सव आयोजन समिति की ओर से पांच सदस्यीय उप समिति का गठन किया है जो सौंदर्यीकरण का कार्य में सहयोग प्रदान करेगी एवं गुणवत्ता पे नजर बनाए रखेगी और कार्य प्रगति की सूचना जिला पदाधिकारी औरंगाबाद और श्री सीमेंट के पदाधिकारी श्री राठौर जी को देगी।। समिति में श्री राजीव कुमार सिंह बबलू, श्री पीकू सिंह, श्री दिलावर सिंह , श्री सुरेंद्र गुप्ता और श्री संजय गुप्ता मनोनीत किए गए हैं। श्री अजीत कुमार सिंह अध्यक्ष विष्णुधाम महोत्सव आयोजन समिति,संरक्षक श्री सिद्धेश्वर विद्यार्थी जी, उपाध्यक्ष सुरेंद्र गुप्ता जी , उपाध्यक्ष अनिल कुमार अग्रवाल महासचिव संजय गुप्ता, आदि ने जिला पदाधिकारी महोदय औरंगाबाद श्री श्रीकांत शास्त्री जी एवं श्री सीमेंट के वरीय पदाधिकारी श्री राठौर जी को इस हेतु हार्दिक धन्यवाद एवं शुभ कामनाएं अर्पित किया है।

दुधैला मेडिकल कॉलेज निर्माण संघर्ष समिति की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- सदर प्रखंड स्थित जम्होर के खादी भंडार के सभागार में दुधैला मेडिकल कॉलेज निर्माण संघर्ष समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुरारी सिंह ने किया ।जबकि संचालन की जिम्मेवारी कृष्णा मेहता द्वारा निभाई गई ।सदस्यों ने आपसी विचार समन्वय किया एवं औरंगाबाद जिले में मेडिकल कॉलेज के स्थल चयन के निमित सर्वाधिक उपयुक्त सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित स्थल दुधैला में मेडिकल कॉलेज के निर्माण के लिए सभी लोगों ने ध्वनि मत से प्रस्ताव पारित किया कि इसी स्थल पर मेडिकल कॉलेज का निर्माण होना चाहिए। मेडिकल कॉलेज निर्माण से संबंधित ज्ञापन 5 जुलाई शनिवार को जिला पदाधिकारी महोदय को सुपुर्द किया जाएगा। इसके लिए उप समिति गठित की गई ।जम्होर पंचायत के सरपंच सह जिला सरपंच संघ के अध्यक्ष पप्पू ज्वाला सिंह,संघर्षशील समाजसेवी रामबचन मेहता,अवकाश प्राप्त शिक्षक कृष्णा सिंह, कझवां के मनोज तिवारी, अमिलौना के पूर्व सरपंच विजेंद्र कुमार सिंह,जम्होर पंचायत के पूर्व उपमुखिया अजित कुमार सिंह,स-ंसद प्रतिनिधि संतोष कुमार मेहता,वार्ड प्रतिनिधि धनंजय कुमार यादव सहित अन्य सदस्यों ने एक स्वर में मांग किया कि प्रशासनिक, सामाजिक,धार्मिक दृष्टिकोण से यह स्थल सर्वाधिक उपयुक्त है ।विवाद रहित है एवं यातायात के सभी मानकों को पूरा करती हुई प्रतीत होती है ।मौके पर राजेश कुमार सिंह, नाथुन मेहता,राम लखन प्रसाद,डोमन सिंह चौहान, हीरा चौधरी,रामनरेश सिंह,गजेंद्र कुमार सिंह,नारायण सिंह,राम परीखा सिंह,सहदेव प्रजापति,विनय सिंह,विजेंद्र राय,जगदीश सिंह,सत्येंद्र कुमार, रमेश मेहता,मुसाफिर सिंह,रामकृपाल सिंह, रामलाल सिंह,मनोज सिंह वार्ड सदस्य विजय राय, सरोज राय,संतोष राय, अशोक कुमार गुप्ता विनय कुमार सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

डिहरी डालमियानगर नगर परिषद के वार्ड पार्षद की सदस्यता को राज्य निर्वाचन आयोग ने रद्द किया

रिपोर्ट - विश्वास चौरसिया

डेहरी (रोहतास) जिले के डिहरी डालमियानगर नगर परिषद के वार्ड पार्षद समीर आलम सहीत उनके बचाव में उतरे शिक्षक व एएसआई भाई पर कार्रवाई सहीत अन्य तीन वार्ड पार्षद की सदस्यता को राज्य निर्वाचन आयोग ने रद्द किया तो हड़कंप मचा हुआ है। राज्य निर्वाचन आयोग ने रोहतास जिला के अलग-अलग नगर निकायों के तीन पार्षदों की सदस्यता को रद्द किया है। वहीं अन्य जिले में कार्यरत पार्षद के भाई शिक्षक व एएस-ाआई पर कार्रवाई हेतु पत्र लिखा है। तथ्य छुपाने की मामले में रोहतास के डिहरी डालमियानगर तथा नोखा नगर परिषद के तीन वार्ड पार्षद की सदस्यता रद्द किया है। जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी पुष्कर कुमार ने बताया कि डालमियानगर डिहरी नगर परिषद के दो तथा नोखा नगर परिषद के एक पार्षद की सदस्यता को तथ्य छुपाने की मामले में राज्य निर्वाचन आयोग ने सदस्यता रद्द किया है। उन्होंने बताया कि डालमियानगर डिहरी नगर परिषद के वार्ड 19 के पार्षद अनीता देवी ने तथ्य को छुपाया था जिसकी शिकायत पिंकी सिंह ने किया था, जबकि वार्ड

20 के वार्ड पार्षद समीर आलम ने तथ्य को छुपाया था जिसकी शिकायत रवि पासवान ने किया था। वही नोखा नगर परिषद के वार्ड पार्षद 8 के भीम सिंह ने भी तथ्य को छुपाया था जिस-ाकी शिकायत योगेश सिंह ने किया था। इन सभी शिकायतों के बाद जिलाधिकारी के निर्देश पर टीम गठित किया गया था। जहां शिकायतकर्ता की आरोप सही पाई गई। इसके बाद जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी पुष्कर कुमार ने शिकायत की सत्यता साक्ष्य के साथ डीएम के निर्देश पर आयोग के समक्ष रखा। जिस पर राज्य निर्वाचन आयोग ने तथ्य छुपाने के मामले में रोहतास के डालमियानगर डिहरी नगर परिषद के दो वार्ड पार्षद तथा नोखा नगर परिषद के एक वार्ड पार्षद की सदस्यता को रद्द किया है। डालमियानगर डिहरी नगर परिषद मामले में वार्ड पार्षद 20 के समीर आलम के अलावा इसमें शामिल उनके दो भाईयों पर आयोग के निर्देश पर कार्रवाई की गई है जो अलग-अलग जगहों पर नौकरी करते हैं उन्होंने ने इस मामले में गलत जानकारी दी थी। शिकायतकर्ता रवि पासवान ने बताया कि वार्ड पार्षद समीर आलम के दो भाई अलग-अलग जगह पर नौकरी करते हैं जिसमें एक बक्सर जिला में शिक्षक हैं जबकि दूसरे पटना जिला में एएस-ाआई के पद पर कार्यरत हैं दोनों लोगों ने आयोग के समक्ष अपने वार्ड पार्षद भाई समीर आलम की बचाव करते हुए उनके बच्चे को अपना बच्चा बताया था। जिस पर आयोग ने वार्ड पार्षद के दोनों भाइयों पर का-र्रवाई के लिए लिखा है। बताया गया कि राज्य निर्वाचन आयोग ने डीएम रोहतास को भी आगे की कार्रवाई हेतु पत्र लिखा है। डालमिया नगर डेहरी नगर परिषद के शिकायतकर्ता रवि पासवान ने बताया कि 2022 में चुनाव के दौरान समीर आलम तथा उनकी पत्नी ने नामांकन किया था जहां दोनों ने तथ्य को छुपाते हुए अलग-अलग बच्चों की संख्या दशार्या था। इसी तरह से वार्ड पार्षद अनीता देवी पर भी पिंकी सिंह ने आरोप लगाई थी और नोखा नगर परिषद के वार्ड पार्षद भीम सिंह पर योगेश सिंह ने भी तथ्य छुपाने का आरोप लगाया था। जिसकी सत्यता रिपोर्ट के बाद राज्य निर्वाचन आयोग ने यह कार्रवाई किया है। जिससे ह-ड़कंप मचा हुआ है।

चांदी - नसरीगंज मार्ग पथ पर बालू लदा ट्रक और टोटो में जोरदार टक्कर में टोटो चालक की हुई मौत

रिपोर्ट - विश्वास चौरसिया

सासाराम (रोहतास) :- जिले के कच्छवाँ थाना क्षेत्र के सबारी के बीच चांदी - नसरीगंज मार्ग पथ पर बालू लदा ट्रक और टोटो में जोरदार टक्कर हो गई। जिससे टोटो चालक की मौत हो गई। उस पर सवार एक यात्री बुरी तरह से जख्मी है। जिसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। टोटो चालक नासरीगंज थाना क्षेत्र के मेदनीपुर गांव निवासी 55 वर्षीय नन्दजी साह है। जो टोटो का मालिक और चालक था। वह नासरीगंज से कच्छवाँ सवारी लेकर जा रहा था। उक्त सड़क पर कैथी व सवारी के बीच सामने से आ रहे बालू लदे ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे टोटो हवा में उड़कर कुछ दूर जा गिरा और उस पर बैठे एक यात्री बुरी तरह से घायल हो गए। घटना की सूचना पर पहुंची कछवां पुलिस ने घायल को नासरीगंज रेफरल अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर हालत गंभीर देखते हुए बाहर रेफर कर दिया। अस्पताल पहुंचे परिजनों ने गम्भीर अवस्था में घायल टोटो चालक को बेहतर इलाज के लिए वाराणसी ले गए जहां रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। घटना के विरोध में परिजनों ने चांदी - नसरीगंज मार्ग सड़क को शव के साथ जाम कर प्रशासन से आश्रितों को मुआवजा देने की मांग कर रहे थे। दो घंटे की सड़क जाम में वाहनों की लंबी कतारें लग गई। जाम से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। जाम की सूचना पर मौके पर पहुंचे कछवां पुलिस ने समझा बुझाकर सड़क जाम हटवाया। कच्छवाँ थानाध्यक्ष पंकज पासवान, अपर थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया गया है। ट्रक की ठोकर से हवा में उछला था टोटो प्रत्यक्ष दर्शियों ने बताया कि उक्त टोटो पर चालक के अलावा कैथी निवासी एक मात्र सवारी रमानाथ तिवारी सवार था। उक्त घटना में वह भी बुरी तरह से घायल है। जिसका इलाज निजी क्लिनिक में चला रहा है। मौके पर उपस्थित लोगों ने बतायाचला रहा है। मौके पर उपस्थित लोगों ने बताया कि टक्कर इतना जोरदार था कि टोटो दस फीट हवा में उछलकर कुछ पर जाकर सड़क पर गिर पड़ा। जिससे उसके परखच्चे उड़ गए और चालक व यात्री भी कुछ दूरी पर जा गिरे। जोरदार आवाज सुन लोग मौके पर पहुंचे घायलों को अस्पताल भेजवाया।

जमरी बक्सपुरा पंचायत में मनाया गया आम महोत्सव

विकाश कुमार कान्हाचट्टी

गुरुवार को प्रखंड के जमरी बक्सपुरा पंचायत झारखंड सरकार के आदेशानुसार आम महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीणों को मनरेगा योजना के तहत संचालित योजना आम बागवानी लगाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। मनरेगा योजना के तहत लगाए जा रहे आम बागवानी वर्तमान में किसानों को आए के साधन को वृद्धि करने वाली सबसे प्रभावशाली योजना है। राज्य सरकार आम बागवानी लगाने को लेकर विशेष जोर दे रही है। तथा आम बागवानी योजना के तहत हजारों किसान अपने जमीन का सदुपयोग करके अपने आए को दोगुना कर रहे है। वही प्रखंड में जमरी बक्सपुरा

पंचायत के मुखिया आफताब हुसैन कि की आम बागवानी को मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। वही मौके पर उपस्थित प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी सुबोध पासवान ने कहा कि आम बागवानी को लगाने के लिए सरकार हर तरह की सुविधा देती है। चाहे वह पौधा, खाद्य या कीटनाशक हो साथ में लाभुक को उनके ही बागवानी में काम करने के लिए उनको सरकार राशि भी देती है। वही कार्यक्रम में बीपीओ सुबोध पासवान, जमरी बक्सपुरा पंचायत के मुखिया आफताब हुसैन, जमरी बक्सपुरा रोजगार सेवक संतोष सिंह, कोल्हेया रोजगार सेवक संतोष तिवा-री, चारू रोजगार सेवक अरविंद एंबेस्टा, समाजसेवी रामौतार सिंह सहित ग्रामीण उपस्थित हुए।

संक्षिप्त समाचार

भारत देश का प्राण है धर्म - कौशिक महाराज

जमालपुर।

गुप्त नवरात्रि के आठवें दिवस पर मारवाड़ी धर्मशाला में चल रही श्री श्री 108 महामाया शक्ति धाम के तृतीय स्थापना दिवस के पावन अवसर पर नवदिवसीय देवी भागवत शहर में बजा दिया सनातन का डंका। कथावाचक कौशिक जी महाराज देवी का स्मरण करते हुए जमालपुर के सनातानियों के बीच माता की गुणगान कर भक्तों का जीवन सार्थक कर रहे हैं। महाराज जी ने श्रद्धालुओं को देवी का स्मरण कराते हुए कहा कि परमात्मा के संबंध से हम अपने जीवन में वास्तविक सुख प्राप्त कर सकते हैं। उसी में सुख की पराकाष्ठा मौजूद है। जो व्यक्ति वास्तविक रूप से सुखी बन जाता है, वही दूसरे के जीवन को सुखमय कर सकता है। संसारियों से सुख प्राप्त करने की इच्छा भूल है। क्योंकि जो स्वयं सुखी नहीं है। वह दूसरे को कभी सुखी नहीं कर सकते। मनुष्य जीवन कर्म करने में स्वतंत्र है, परंतु फल भोगने में परतंत्र है। हमारे भाग्य में जो भी तय होगा, वह भाग कर आएगा और जो भाग्य में नहीं होगा, वह आकर भी भाग जाएगा। इस संसार में झूठे व्यक्ति को कभी शांति नहीं मिल सकती, चाहे वह व्यक्ति कुबेर के समान धनवान क्यों न बन जाए। हमारे राष्ट्र हिंदुस्तान का प्राण ही धर्म है। इसलिए कहा गया है - धर्मो रक्षति रक्षितः।

गुरुवार के कथा के यजमान सुनील जालान एवं उनकी धर्मपत्नी पल्लवी जालान ने श्रद्धापुर्वक पूजन किया। कथा के पश्चात माता तुलसी का विवाह संपन्न हुआ। जिसे महेश संघई, योगेश अग्रवाल, राजकुमार शर्मा, दिनेश जोशी, गोपाल अग्रवाल, जयशंकर शर्मा ने विधिवत पूजा अर्चना करके तुलसी विवाह को भक्ति रूप से आयोजित करवाया। मौके पर चेंबर के अध्यक्ष वासुदेव पुरी, माधव मस्करा, कमलेश खेतान, शेखर खेतान, श्याम शाह, आशीष शाह, संजय अग्रवाल, अंकित शर्मा, ज्योति शर्मा, सुजीत संघई, रोहित देवी, कलावती देवी, मीना देवी, प्रियंका कुमारी एवं सैकड़ो भक्ति गण उपस्थित थे। कथा के अंत में आरती के पश्चात सभी भक्तजनों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया।

जिले में विश्व जनसंख्या दिवस पर परिवार नियोजन सेवा पखवाड़ा का आयोजन

छोटा परिवार सुखी परिवार के संदेश से समुदाय को किया जाएगा जागरूक : सिविल -सर्जन

जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा अंतर्गत सामुदायिक उत्प्रेरण पखवाड़ा चलाया जा रहा है

लखीसराय :

विश्व जनसंख्या दिवस के मौके पर जिले भर में जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा अंतर्गत सामुदायिक उत्प्रेरण पखवाड़ा चल रहा है। इस बात की जानकारी देते हुए सिविल सर्जन डॉ बीपी सिन्हा ने बताया कि आगमी 11 जुलाई से 31 जुलाई तक परिवार नियोजन सेवा पखवाड़ा का आयोजन किया जाना है। पखवाड़े के दरम्यान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर स्वास्थ्य मेला का आयोजन कर समुदाय को छोटा परिवार सुखी परिवार के संदेश से जागरूक किया जाना है। साथ ही ये भी बताया जाएगा की अपने लकड़ी की शादी 18 साल के बाद ही करें . सहदी के बाद अपने दो बच्चो के बीच अन्तराल जरुर रखें .इस-के लिए परिवार नियोजन के अस्थाई साधन का इस्तेमाल करें .ये साधन अपने क्षेत्र की आशा से या स्वास्थ्य केंद्र पर निःशुल्क पर मिल जाएगा .डॉ सिन्हा ने बताया की अगर परिवार छोटा रहेगा तो अपने बच्चों के शिक्षा के साथ -साथ उसके पालन -पोषण पर अच्छे तरीके से ध्यान दे पाएंगे ,इसलिए तो कहा जाता है छोटा परिवार सुखी परिवार .डीसीएम आशुतोष कुमार ने बताया की जिले में अभी सामुदायिक उत्प्रेरण पखवाड़ा चल रहा है . इस पखवाड़े में आशा के द्वारा डोर टू डोर जाकर सभी योग्य दंपति का लाइन लिस्टिंग करने के साथ जो इच्छुक लाभार्थी हैं उनको नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र के द्वारा आस्थाई साधन अंतरा ,कंडोम ,माला एन ,छाया ,के साथ PPIUCD निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है , साथ ही स्थाई साधन जिसमें नसबंदी एवं बंध्याकरण है उसके लिए जागरूक करने के साथ स्वाथ्य केंद्र तक ले जाने में भी सहायता प्रदान करेगी . डीसीएम आशुतोष कुमार ने बताया की जिले के लिए कुल 575 बंध्याकरण ,40 नसबंदी ,1140 आईयुडीसी एवं 1285 अंतरा का लक्ष्य निर्धारित किया गया है . जिसके लिए आशा के द्वारा सर्वे कर सूचि भी तैयार की जा रही है।

स्थापना दिवस समारोह का डिप्टी सीएम ने किया उद्घाटन

निकाली गई प्रभात फेरी

लखीसराय। लखीसराय जिले का 32 वां स्थापना दिवस समारोह का डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर विधिवत उद्घाटन किया। शहर के केआरके मैदान एवं टाउन हॉल में आयोजित कार्यक्रम में सूर्यगढ़ा विधायक प्रहलाद यादव, डीएम मिथलेश मिश्र, एडीएम सुधांशु शेखर, एसडीएम प्रभाकर कुमार सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे। केआरके मैदान में आयोजित विकास मेले में विभिन्न विभागों द्वारा सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का स्टॉल लगाया गया। इसका डिप्टी सीएम ने निरीक्षण किया। जिला स्थापना दिवस समारोह की शुरूआत सुबह विकास दौर से हुआ। इसमें जिला प्रशासन, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं स्कूली बच्चों ने भाग लिया। स्थापना दिवस समारोह में जिला प्रशासन द्वारा नगर भवन में सांस्कृतिक कार्यक्रम और विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है। इस मौके पर डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने जिला वासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि लखीसराय जिला ऐतिहासिक व सांस्कृतिक विरासत को संयोगे हुए। आज लखीसराय जिले का शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन सहित कई क्षेत्रों में काफी विकास हो रहा है। उन्होंने जिला प्रशासन एवं जिला वासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इसके पूर्व आर. लाल कॉलेज से कलेक्ट्रेट स्थित गांधी मैदान तक प्रभात फेरी निकाली गई। इस प्रभातफेरी एक हजार से अधिक स्कूली बच्चों ने भाग लिया। हाथों में तख्ती लिए बच्चे विभिन्न सामाजिक कुरीतियों से लोगों को जागरुक कर रहे थे। इस-के अलावा पौधरोपण भी किया गया।

श्रावणी मेला के अवसर पर 17 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का परिचालन

हाजीपुरः

श्रावणी मेला के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेलवे द्वारा कई श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जायेगा । साथ ही मेला अवधि के दौरान जसीडीह स्टेशन पर कुछ ट्रेनों को छोड़कर अन्य सभी का न्यूनतम ठहराव बढ़ाकर 05 मिनट किया गया तथा सुलतानगंज स्टेशन पर 04 जोड़ी टेज्न का 02 मिनट का ठहराव प्रदान किया जा रहा है जिनका विवरण निम्नानुसार हैः-

श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन -

1.गाड़ी सं. 05597/05598 जयनगर-आसनसोल-जयनगर श्रावणी मेला स्पेशल (समस्तीपुर-बरौनी-मुंगेर-जमालपुर-किउल-झाझा-जसीडीह के रास्ते) (सप्ताह में तीन दिन): - गाड़ी सं. 05597 जयनगर-आसनसोल श्रावणी मेला स्पेशल 11.07.2025 से 08.08.2025 तक सप्ताह में तीन दिन - मंगलवार, शुक्रवार एवं रविवार को जयनगर से 22.00 बजे खुलकर अगले दिन 09.05 बजे जसीडीह सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए 11.30 बजे आसनसोल पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी सं. 05598 आसनसोल-जयनगर श्रावणी मेला स्पेशल 12.07.2025 से 09.08.2025 तक सप्ताह में तीन दिन - बुधवार, शनिवार एवं सोमवार को आसनसोल से 13.00 बजे खुलकर 14.30 बजे जसीडीह सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन 04.20 बजे जयनगर पहुंचेगी । 2.गाड़ी सं. 05545/05546 रक्सौल-देवघर-रक्सौल श्रावणी मेला स्पेशल (सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर-समस्तीपुर-बरौनी-मोकामा-किउल-जमालपुर-भागलपुर के रास्ते) (सप्ताह में तीन दिन): - गाड़ी सं. 05545 रक्सौल-देवघर श्रावणी मेला स्पेशल 13.07.2025 से 08.08.2025 तक सप्ताह में तीन दिन - रविवार, मंगलवार एवं शुक्रवार को रक्सौल से 05.15 बजे खुलकर विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए उसी दिन 16.50 बजे देवघर पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी सं. 05546 देवघर-रक्सौल श्रावणी मेला स्पेशल 13.07.2025 से 08.08.2025 तक सप्ताह में तीन दिन - रविवार, मंगलवार एवं शुक्रवार को देवघर से 17.50 बजे खुलकर विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन 06.00 बजे रक्सौल पहुंचेगी । 3.गाड़ी सं. 03236/03235 दानापुर-साहिबगंज-दानापुर श्रावणी मेला स्पेशल :- मोकामा-किउल-सुलतानगंज-भागलपुर के रास्ते दानापुर और साहिबगंज के बीच एक जोड़ी श्रावणी मेला स्पेशल (साप्ताहिक) 03236/03235 दानापुर-साहिबगंज-दानापुर स्पेशल का 13.07.2025 से 10.08.2025 तक प्रत्येक रविवार को परिचालन किया जायेगा । यह स्पेशल गाडी सं. 13236/13235 दानापुर-साहिबगंज-दानापुर इंटरसिटी के समय एवं ठहराव के अनुसार परिचालित की जाएगी । 4.गाड़ी सं. 03511/03512 आसनसोल-पटना-आसनसोल श्रावणी मेला स्पेशल (सप्ताह में पांच दिन):- गाड़ी सं. 03511 आसनसोल-पटना श्रावणी मेला स्पेशल 11.07.2025 से 09.08.2025 तक सप्ताह में पांच दिन - शुक्रवार, शनिवार, सोमवार, मंगलवार एवं बुधवार को आसनसोल से 17.00 बजे खुलकर 18.32 बजे जसीडीह सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए देर रात्रि 01.30 बजे पटना पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी सं. 03512 पटना-आसनसोल श्रावणी मेला स्पेशल 12.07.2025 से 10.08.2025 तक सप्ताह में पांच दिन - शनिवार, रविवार, मंगलवार, बुधवार एवं गुरूवार को पटना से 02.50 बजे खुलकर 07.23 बजे जसीडीह रूकते हुए 10.30 बजे आसनसोल पहुंचेगी । 5.गाड़ी सं. 05028/05027 बढ़नी-देवघर-बढ़नी श्रावणी मेला स्पेशल (प्रतिदिन):- गाड़ी सं. 05028 बढ़नी-देवघर श्रावणी मेला स्पेशल 09.07.2025 से 10.08.2025 तक प्रतिदिन बढ़नी से 17.30 बजे खुलकर अगले दिन 01.20 बजे हाजीपुर, 02.15 बजे शाहपुर पटोरी, 03.10 बजे बरौनी, 03.40 बजे बेगुसराय, 05.15 बजे मुंगेर, 06.40 बजे सुलतानगंज सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए 13.00 बजे देवघर पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी सं. 05027 देवघर-बढ़नी श्रावणी मेला स्पेशल 10.07.2025 से 11.08.2025 तक प्रतिदिन देवघर से 18.45 बजे खुलकर 21.28 बजे सुलतानगंज, 23.15 बजे मुंगेर, अगले दिन 00.08 बजे बेगुसराय, 00.30 बजे बरौनी, 01.30 बजे शाहपुर पटोरी, 02.30 बजे हाजीपुर, 05.00 बजे छपरा एवं 09.30 बजे गोरखपुर सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए 12.30 बजे बढ़नी पहुंचेगी । 6.गाड़ी सं. 08855/08856 गोंदिया-मधुपुर-गोंदिया श्रावणी मेला स्पेशलः- गाड़ी सं. 08855 गोंदिया-मधुपुर श्रावणी मेला स्पेशल 11, 14, 18, 21, 25, 28 जुलाई, 01 एवं 04 अगस्त, 2025 (शुक्रवार एवं सोमवार) को गोंदिया से 12.30 बजे खुलकर अगले दिन 12.30 बजे मधुपुर पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी सं. 08856 मधुपुर-गोंदिया श्रावणी मेला स्पेशल 12, 15, 19, 22, 26, 29 जुलाई, 02 एवं 05 अगस्त, 2025 (शनिवार एवं मंगलवार) को मधुपुर से 14.30 बजे खुलकर अगले दिन 17.00 बजे गोंदिया पहुंचेगी । 7.गाड़ी सं. 03480/03479 जमालपुर-सुलतानगंज-जमालपुर श्रावणी मेला स्पेशल (प्रतिदिन): - गाड़ी सं. 03480 जमालपुर-सुलतानगंज श्रावणी मेला स्पेशल 11.07.2025 से 09.08.2025 तक प्रतिदिन जमालपुर से 09.05 बजे खुलकर 10.45 बजे सुलतानगंज पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी सं. 03479 सुलतानगंज-जमालपुर श्रावणी मेला स्पेशल 11.07.2025 से 09.08.2025 तक प्रतिदिन सुलतानगंज से 11.15 बजे खुलकर 12.40 बजे जमालपुर पहुंचेगी। 8.गाड़ी सं. 03442/03441 जमालपुर-देवघर-जमालपुर श्रावणी मेला स्पेशलः- गाड़ी सं. 03442 जमालपुर-देवघर श्रावणी मेला स्पेशल 13, 20 एवं 27 जुलाई, 03 एवं 10 अगस्त, 2025 (रविवार) को जमालपुर से 05.10 बजे खुलकर 10.10 बजे देवघर पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी सं. 03441 देवघर-जमालपुर श्रावणी मेला स्पेशल 13, 20 एवं 27 जुलाई, 03 एवं 10 अगस्त, 2025 (रविवार) को देवघर से 15.45 बजे खुलकर 22.05 बजे जमालपुर पहुंचेगी । 9.गाड़ी सं. 03444/03443 देवघर-गोड्डा-देवघर श्रावणी मेला स्पेशलः- गाड़ी सं. 03444 देवघर-गोड्डा श्रावणी मेला स्पेशल 13, 20 एवं 27 जुलाई, 03 एवं 10 अगस्त, 2025 (रविवार) को देवघर से 10.45 बजे खुलकर 12.40 बजे गोड्डा पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी सं. 03443 गोड्डा-देवघर श्रावणी मेला स्पेशल 13, 20 एवं 27 जुलाई, 03 एवं 10 अगस्त, 2025 (रविवार) को गोड्डा से 13.15 बजे खुलकर 15.05 बजे देवघर पहुंचेगी । 10. गाड़ी सं. 03501/03502 जसीडीह-बैद्यनाथधाम-जसीडीह एमईएमयू स्पेशल (प्रतिदिन):- गाड़ी सं. 03501 जसीडीह-बैद्यनाथधाम स्पेशल 11.07.2025 से 09.08.2025 तक प्रतिदिन जसीडीह से 04.30 बजे खुलकर 04.45 बजे बैद्यनाथधाम पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी सं. 03502 बैद्यनाथधाम-जसीडीह स्पेशल 11.07.2025 से 09.08.2025 तक प्रतिदिन बैद्यनाथधाम से 04.55 बजे खुलकर 05.10 बजे जसीडीह पहुंचेगी । 11. गाड़ी सं. 03503/03504 जसीडीह-बैद्यनाथधाम-जसीडीह एमईएमयू स्पेशल (प्रतिदिन): - गाड़ी सं. 03504 बैद्यनाथधाम-जसीडीह स्पेशल 11.07.2025 से 09.08.2025 तक प्रतिदिन बैद्यनाथधाम से 13.05 बजे खुलकर 13.20 बजे जसीडीह पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी सं. 03503 जसीडीह-बैद्यनाथधाम स्पेशल 11.07.2025 से 09.08.2025 तक प्रतिदिन जसीडीह से 13.35 बजे खुलकर 13.50 बजे बैद्यनाथधाम पहुंचेगी । 12. गाड़ी सं. 03505/03506 जसीडीह-बैद्यनाथधाम-जसीडीह एमईएमयू स्पेशल (प्रतिदिन):- गाड़ी सं. 03506 बैद्यनाथधाम-जसीडीह स्पेशल 11.07.2025 से 09.08.2025 तक प्रतिदिन बैद्यनाथधाम से 22.00 बजे खुलकर 22.20 बजे जसीडीह पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी सं. 03505 जसीडीह-बैद्यनाथधाम स्पेशल 11.07.2025 से 09.08.2025 तक प्रतिदिन जसीडीह से 21.25 बजे खुलकर 21.45 बजे बैद्यनाथधाम पहुंचेगी । 13.गाड़ी सं. 03146/03145 जसीडीह-दुमका-जसीडीह एमईएमयू स्पेशल (प्रतिदिन): - गाड़ी सं. 03146 जसीडीह-दुमका स्पेशल 11.07.2025 से 09.08.2025 तक प्रतिदिन जसीडीह से 08.50 बजे खुलकर 10.30 बजे दुमका पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी सं. 03145 दुमका-जसीडीह स्पेशल 11.07.2025 से 09.08.2025 तक प्रतिदिन दुमका से 10.45 बजे खुलकर 12.40 बजे जसीडीह पहुंचेगी । 14. गाड़ी सं. 03148/03147 जसीडीह-दुमका-जसीडीह एमईएमयू स्पेशल (प्रतिदिन):- गाड़ी सं. 03148 जसीडीह-दुमका स्पेशल 11.07.2025 से 09.08.2025 तक प्रतिदिन जसीडीह से 18.00 बजे खुलकर 19.50 बजे दुमका पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी सं. 03147 दुमका-जसीडीह स्पेशल 11.07.2025 से 09.08.2025 तक प्रतिदिन दुमका से 20.05 बजे खुलकर 21.50 बजे जसीडीह पहुंचेगी । 15.गाड़ी सं. 03507/03508 देवघर-जसीडीह-देवघर एमईएमयू स्पेशल (प्रतिदिन): - गाड़ी सं. 03507 देवघर-जसीडीह स्पेशल 11.07.2025 से 09.08.2025 तक प्रतिदिन देवघर से 08.20 बजे खुलकर 08.35 बजे जसीडीह पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी सं. 03508 जसीडीह-देवघर स्पेशल 11.07.2025 से 09.08.2025 तक प्रतिदिन जसीडीह से 22.05 बजे खुलकर 22.20 बजे देवघर पहुंचेगी । 16. गाड़ी सं. 03150/03149 जसीडीह-गोड्डा-जसीडीह एमईएमयू स्पेशल (प्रतिदिन):- गाड़ी सं. 03150 जसीडीह-गोड्डा स्पेशल 11.07.2025 से 09.08.2025 तक प्रतिदिन जसीडीह से 13.00 बजे खुलकर 14.50 बजे गोड्डा पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी सं. 03149 गोड्डा-जसीडीह स्पेशल 11.07.2025 से 09.08.2025 तक प्रतिदिन गोड्डा से 15.00 बजे खुलकर 17.05 बजे जसीडीह पहुंचेगी । 17. गाड़ी सं. 07540/07539 कटिहार-मनिहारी-कटिहार श्रावणी मेला स्पेशल (प्रतिदिन):- गाड़ी सं. 07540 कटिहार-मनिहारी स्पेशल 01.07.2025 से 31.07.2025 तक प्रतिदिन कटिहार से 20.30 बजे खुलकर 21.30 बजे मनिहारी पहुंचती है । वापसी में, गाड़ी सं. 07539 मनिहारी-कटिहार स्पेशल 02.07.2025 से 01.08.2025 तक प्रतिदिन मनिहारी से 05.00 बजे खुलकर 06.00 बजे कटिहार पहुंचती है । सुलतानगंज स्टेशन पर 04 जोड़ी ट्रेनों का 02 मिनट का ठहराव :- मेला अवधि के दौरान निम्नलिखित ट्रेनों का सुल्तानगंज स्टेशन पर 02 मिनट का ठहराव प्रदान किया गया है :- 1. गाड़ी सं. 15619 गया-कामाख्या एक्सप्रेस (साप्ताहिक) 17.45 बजे सुलतानगंज स्टेशन पहुंचेगी तथा 17.47 बजे प्रस्थान करेगी । 2. गाड़ी सं. 15620 कामाख्या-गया एक्सप्रेस (साप्ताहिक) 00.11 बजे सुलतानगंज स्टेशन पहुंचेगी तथा 00.13 बजे प्रस्थान करेगी । 3. गाड़ी सं. 12253 यशवंतपुर-भागलपुर अंग एक्सप्रेस (साप्ताहिक) 08.04 बजे सुलतानगंज स्टेशन पहुंचेगी तथा 08.06 बजे प्रस्थान करेगी । 4. गाड़ी सं. 12254 भागलपुर-यशवंतपुर अंग एक्सप्रेस (साप्ताहिक) 14.08 बजे सुलतानगंज स्टेशन पहुंचेगी तथा 14.10 बजे प्रस्थान करेगी । 5. गाड़ी सं. 13423 भागलपुर-अजमेर एक्सप्रेस (साप्ताहिक) 13.38 बजे सुलतानगंज स्टेशन पहुंचेगी तथा 13.40 बजे प्रस्थान करेगी । 6. गाड़ी सं. 13424 अजमेर-भागलपुर एक्सप्रेस (साप्ताहिक) 13.50 बजे सुलतानगंज स्टेशन पहुंचेगी तथा 13.52 बजे प्रस्थान करेगी । 7. गाड़ी सं. 13429 मालदा टाउन-आनंद विहार एक्सप्रेस (साप्ताहिक) 13.02 बजे सुलतानगंज स्टेशन पहुंचेगी तथा 13.04 बजे प्रस्थान करेगी । 8. गाड़ी सं. 13430 आनंद विहार-मालदा टाउन एक्सप्रेस (साप्ताहिक) 17.55 बजे सुलतानगंज स्टेशन पहुंचेगी तथा 17.57 बजे प्रस्थान करेगी । जसीडीह स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव समय में वृद्धि - मेला अवधि के दौरान गाड़ी संख्या 12305/06 ह-ावड़ा-नई दिल्ली-हावड़ा राजधानी एक्सप्रेस, 22347/22348 हावड़ा-पटना-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस, 22499/22500 देवघर-वाराणसी-देवघर वंदे भारत एक्सप्रेस, 12273/74 हावड़ा-नई दिल्ली-हावड़ा दूरंतो एक्सप्रेस, 22213/14 शालीमार-पटना-शालीमार एसी दूरंतो एक्सप्रेस, 12023/24 हावड़ा-पटना-हावड़ा जनशताब्दी एक्सप्रेस, 12303/04 हावड़ा-नई दिल्ली-हावड़ा पूर्वा एक्सप्रेस, 12359/60 पटना-कोलकाता-पटना गरीब रथ एक्सप्रेस, 12235/36 मधुपुर-आनंद विहार-मधुपुर हमसफर एक्सप्रेस, 22459/60 मधुपुर-आनंद विहार-मधुपुर हमसफर हमसफर एक्सप्रेस को छोड़कर जसीडीह स्टेशन पर 05 मिनट से कम समय के लिए रूकने वाली सभी मेल/एक्सप्रेस/पैसेंजर ट्रेनें जसीडीह में पांच मिनट के लिए रूकेगी । मेला अवधि के दौरान यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर गाड़ी सं. 13021/13022 हावड़ा-रक्सौल-हावड़ा मिथिला एक्सप्रेस, 13029/13030 हावड़ा-मोकामा-हावड़ा एक्सप्रेस, 13185/13186 हावड़ा-जयनगर-हावड़ा गंगा सागर एक्सप्रेस, 13105/13106 सियालदह-बलिया-सियालदह एक्सप्रेस में साधारण श्रेणी का एक-एक अतिरिक्त कोच जोड़ा जा रहा है ।

विद्युत विभाग के लापरवाही का नहीं थम रहा आलम

ग्रामीणों के विरोध के बाद हरकत में आए अधिकारी, हवा में गिरे विद्युत खंभे को अगले दिन किया गया अपलिफ्ट

जमालपुर।

नगर परिषद जमालपुर के वार्ड संख्या 33 तथा वार्ड संख्या 34 के मध्य में खेत के बीच करीब आधे फीट गहरी मिट्टी के सहारे खड़ा किया गया विद्युत खंभा जब हल्की हवा के थपेड़ों को झेलते हुए गिर जाती है तो उसे उठाने के लिए विद्युत विभाग के अधिकारियों को करीब 30 घंटे बाद नींद खुलती है। विद्युत उपभोक्ताओं को महज उगाही का जरिया बना चुके अधिकारियों को बिजली बिल वसूली करने मात्र से मतलब है, मगर उन्हें ससमय विद्युत आपूर्ति अथवा विद्युत सेवा में आई बाधा को दूर करने से कोई लेना-देना नहीं है। जिसका जीता-जागता उदाहरण है छोटी गोविंदपुर गांव, जहां मंगलवार अहले सुबह हल्की हवा के झोंकों के कारण बिजली का खंभा बीच खेत में जा गिरा। विद्युत उपभोक्ताओं के लाख शिकायत के बावजूद विभाग के अधिकारियों के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी। विद्युत विभाग के अधिकारियों के लापरवाही के कारण छोटी गोविंदपुर गांव के निवासियों को भीषण गर्मी में भी अंधेरे में रात गुजारनी पड़ी। गांव के बूढ़े, बच्चे, महिला पुरुष सभी को जागकर रात गुजारनी पड़ी। बुधवार सुबह भी जब विद्युत विभाग के अधिकारी विद्युत सेवा बहाल करने की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया तो ग्रामीणों ने विभाग के अधिकारियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों के विरोध के बाद विद्युत विभाग के अधिकारी ने दोपहर करीब 1:00 बजे दो मानव बल को बिना किसी यंत्र और बिना किसी साधन के घटनास्थल पर भेज खाना पूर्ति की। स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा विद्युत विभाग के अधिकारियों की लापरवाही के खिलाफ सड़क जाम करने की योजना

बनाई तब जाकर दोपहर बाद विद्युत विभाग के अधिकारी और मानव बल हरकत में आए और खेत में गिरे विद्युत खंभे को अपलिफ्ट किया। करीब 30 घंटे विद्युत सेवा बाधित रहने के बाद बुधवार दोपहर 3:00 बजे छोटी गोविंदपुर गांव में विद्युत सेवा बहाल किया गया। विरोध प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने बताया कि विद्युत विभाग के अधिकारी के कुछ सहयोगी मानव बल के द्वारा गांव के विद्युत उपभोक्ताओं से कमीशन के रूप में मोटी रकम की डिमांड की जा रही थी। कमीशन नहीं मिलने के कारण मंगलवार को छोटी गोविंदपुर गांव में विद्युत सेवा बहाल नहीं कराई गई। कमीशन के चक्कर में बुधवार को भी विद्युत विभाग के अधिकारियों द्वारा टालमटोल किया जा रहा था। यदि उनके द्वारा विरोध प्रदर्शन नहीं किया जाता तो विद्युत विभाग के अधिकारी बुधवार को भी विद्युत सेवा बहाल करने की दिशा में जहमत नहीं उठाते।

माता-पिता के चरणों में ही तीर्थ - महाराज कौशिक भाई

जमालपुर।

श्री श्री 108 महामाया शक्ति धाम के तृतीय स्थापना दिवस पर श्री मारवाड़ी धर्मशाला परिसर में विगत छह दिनों से चल रहे देवी भागवत कथा का आनंदरस के रसास्वादन के लिए रोजाना हजारों की संख्या में श्रद्धालु भक्तों का तांता लग रहा है। देवी भागवत कथा का श्रवण कर श्रद्धालु भक्त आनंदित हो रहे हैं। बुधवार को कौशिक जी महाराज ने माता का गुणगान करते हुए जमालपुर के सनातनियों को माता-पिता की सेवा का पाठ पढ़ाया। कौशिक जी महाराज ने सनातनियों को बताया कि पुत्र के लिए माता-पिता के चरणों से बढ़कर कोई तीर्थ स्थान नहीं है। जब आपके घर के माता-पिता प्रसन्न रहेंगे तो माता लक्ष्मी की कृपा बनी रहेगी। सत्य, तप, पवित्रता और दान धर्म के चार प्रमुख

चरण है। इस कलयुग में दान की महिमा विशेष है। सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र ने सत्य की राह पर चलते हुए सत्य के लिए जीवन भर कष्ट सहन किया। आज भी उनकी कथा हम सभी स्मरण करते हैं। जिसपर माता रानी ने शेर पर सवार होकर महिषासुर आदि राक्षसों को मारा। ठीक उसी प्रकार सामर्थ के शेर पर सवार होकर हम सभी श्रद्धालुओं को काम, क्रोध आदि शत्रुओं को मारना पड़ेगा। कथा के अंत में महाकाली, महालक्ष्मी और महा सरस्वती का दर्शन झांकी के रूप में भक्तों ने किया। बुधवार के कार्यक्रम के यजमान शिवम शर्मा एवं आयुषी सुमन ने भक्ति भाव के साथ पूजन किया। जमालपुर थाना अध्यक्ष राजेश कुमार के नेतृत्व में चुस्त दुरूस्त विधि व्यवस्था देखी गई। कार्यक्रम की व्यवस्था की कमान मंत्री गिरधर संघई, अध्यक्ष जयशंकर शर्मा, महेश संघई, कार्यक्रम के संयोजक राजकुमार शर्मा, योगेश अग्रवाल ने बेहतरीन रूप से देखा। मौके पर संदीप अग्रवाल, आशीष शाह, दिनेश जोशी, सुजीत शंघाई, माधव मस्करा, विकास गर्ग, पुरुषोत्तम, प्रकाश पंसारी, संदीप अग्रवाल मेहरिया एवं हजारों संख्या में मातृ शक्ति भक्तजन उपस्थित रहे।

प्रोफेसर देबज्योति ने स्टेशन चौक पर आर सी पी सिंह का किया भव्य स्वागत

दिव्य दिनकर भागलपुर बिहार

पूर्व केंद्रीय मंत्री तथा जनसुराज नेता आर सी पी सिंह अपनी पार्टी आसा का जनसुराज में विलय कराने के बाद पहली बार भागलपुर आए थे । वो सुबह 12:30 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस करने के बाद गाड़ियों का एक बड़ा काफिला के साथ शहर मे रोड शो किए। जगह जगह पर उनका स्वागत किया गया। स्टेशन चौक पर प्रोफेसर देबज्योति ने गाजे बाजे के साथ उनका भव्य स्वागत किए। देबज्योति के साथ मोहम्मद अहमद और कई लोग मौजूद थे। आर सी पी सिंह कार्यकताओं के साथ प्रमंडलीय बैठक भी किए । कार्यक्रम में भागलपुर, बाँका, मुंगेर तथा जमुई के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुहर्रम को लेकर 16शाल से लाईट, पानी का व्यवस्था पूर्व विधानसभा प्रत्याशी सह पूजा समिति अध्यक्ष पप्पू यादव कर रहे हैं

दिव्य दिनकर

भागलपुर हर साल की भांति इस साल भी मोहर्रम को लेकर पूजा समिति की पूरी टीम अपने-अपने क्षेत्र में, कार्य कर रहे हैं।जी हां विधानसभा पूर्व प्रत्याशी पूजा समिति अध्यक्ष पप्पू यादव ने कहा 16 साल से मोहर्रम के जुलूस में लाइट की व्यवस्था माइक की व्यवस्था पानी की कुर्सी टेबल की व्यवस्था व सफल बनाने के लिए रात भर पूजा समिति की टीम लगी रहती है। मोहर्रम कमेटी के द्वारा खलीफा को सम्मानित किया जाता है। मोहर्रम जुलूस को शांति ,सद्भाव भाईचारा से निकलने में अहम रोल रहता है इस बार 6 तारीख को मुहर्रम मनाया जाएगा और जुलूस निकाला जाएगा कैंप में जिला प्रशासन हो या एसडीओ हो डीएसपी हो नाथनगर का बीड-ीओ वही सभी थाना अध्यक्ष के साथ साथ सभी लोग उपस्थित रहते हैं ।मौके पर विधानसभा पूर्व प्रत्याशी पूजा समिति अध्यक्ष पप्पू यादव, देवाशीष बनर्जी ,भावेश यादव, अशोक राय, निर्जात अंसारी, प्रवीण यादव ,रोहित यादव, चंदन मिश्रा ,राजेंद्र लाल, संतोष कुमार, शिव शंकर सिंह ,विवेक यादव ,शंकर यादव ,मास्टर विक्रम यादव ,अभिनंदन यादव, लक्ष्मी यादव ,उपेंद्र साह ,अशोक साहू ,आकाश यादव, जितेंद्र यादव ,संतोष मिश्रा ,शंकर चौधरी, दिलीप मालाकार ,राजू मालाकार, पिंकू कुमार सभी लोग रात भर लगे रहेंगे भागलपुर गंगा जमुना तर्जिश के लिए जाना जाता है।

नोरा फतेही

पहले जड़ा थप्पड़, फिर को-एक्टर ने खींचे इस एक्ट्रेस के बाल, जमकर हुई थी लड़ाई

आज हम आपसे बॉलीवुड की एक ऐसी एक्ट्रेस के बारे में बात कर रहे हैं जो कुछ सालों पहले कनाडा से भारत आई थीं. यहां वो अपने साथ कई सपने भी लाई थीं और अब उनका एक बड़ा और खास नाम बन चुका है. कनाडा से महज 5 हजार रुपये लेकर भारत आने वाली वो लड़की है नोरा फतेही. जो आज किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं. नोरा फतेही आज करियर में अच्छे खासे मुकाम पर हैं, लेकिन उन्हें कड़े स्ट्रगल का सामना करना पड़ा है.

नोरा फतेही के लटके झटकों पर फैंस दिल हार जाते हैं. उनके डांस मूव्स को काफी पसंद किया जाता है. लेकिन, एक बार एक एक्टर ने नोरा फतेही के साथ काफी बदतमीजी की थी. उसने नोरा के साथ पहले बदतमीजी की थी और फिर थप्पड़ भी मार दिया था. फिर उनके बाल भी खींच लिए थे. नोरा भी पीछे नहीं हटी और उन्होंने भी को-एक्टर को तमाचा रसीद कर दिया था. इसके बाद दोनों के बीच जमकर लड़ाई हुई थी. ये किस्सा खुद नोरा ने शेयर किया था.

बदतमीजी की तो नोरा ने मारा थप्पड़

एक बार नोरा फतेही, जयदीप अहलावत और आयुष्मान खुराना जैसे एक्टर्स के साथ मशहूर कॉमेडियन कपिल शर्मा के शो पर पहुंची थीं. तब कपिल ने नोरा से पूछा था, आप जितने भी शूट पर जाती हैं कभी सही तरीके से हुआ कोई ? कोई न कोई तो पंगा होता है ? इस पर नोरा ने कहा था, ऑडियंस और फैंस के साथ तो नहीं, लेकिन को-एक्टर के साथ हुआ है.

मेरी पहली फिल्म में हम सेट पर थे और हम सुंदरबन में शूट कर रहे थे बांग्लादेश में एक दम जंगल में. एक को-एक्टर था उसने मेरे साथ बदतमीजी की तो मैंने उसे थप्पड़ मार दिया था.

फिर को-एक्टर ने मारा थप्पड़, बाल खींचे

नोरा ने आगे बताया था कि बदतमीजी करने के बाद भी को-एक्टर ने उनके साथ बुरा बर्ताब किया था और उन्हें वापस थप्पड़ मार दिया. एक्ट्रेस ने आगे कहा था, तो उसने भी मुझे थप्पड़ मार दिया था. फिर मैंने उसे दोबारा थप्पड़ मारा तो उसने मेरे बाल खींच लिए थे. मैंने भी खींचे. तो फिर बहुत गंदा वाला झगड़ा हुआ.

असल में थोड़ी न बाप हूं...

फातिमा सना शेख

की कास्टिंग पर आमिर खान का खुलासा, कहा- वो इतने मुर्ख नहीं हैं

बेहतरीन स्क्रिप्ट चुनने के लिए मशहूर एक्टर आमिर खान की 'ठग्स ऑफ हिंदोस्तान' एक चौंकाने वाली गलती साबित हुई. अपने बड़े बजट और स्टार पावर के बावजूद, यह फिल्म उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी थी. आमिर की इस फिल्म से सभी को निराशा हाथ लगी. काफी वक्त गुजर जाने के बाद अब सुपरस्टार ने खुलकर इस फिल्म के फ्लॉप होने को लेकर बात की. उन्होंने बताया कि क्या-क्या गलत हुआ, कास्टिंग में दिक्कत से लेकर स्क्रिप्ट में बड़े बदलाव तक, जिससे वह निराश हो गए थे.

द लल्लनटॉप से बात करते हुए आमिर ने बताया कि फीमेल लीड रोल के स्पेस को भरना आसान नहीं था. फातिमा सना शेख के आने से पहले कई टॉप एक्ट्रेस ने इसे ठुकरा दिया था. उन्होंने बताया, जब हम इसके लिए कास्टिंग कर रहे थे, तो किसी और फीमेल एक्टर ने इस रोल के लिए हां नहीं कहा. दीपिका, आलिया, श्रद्धा, सभी ने मना कर दिया. पूरी इंडस्ट्री को यह फिल्म ऑफर की गई थी, लेकिन कोई भी इसे करना नहीं चाहता था.जब उनसे पूछा गया कि क्या स्क्रिप्ट की क्वालिटी इसकी वजह थी, तो आमिर ने माना कि ये भी एक वजह हो सकती है.

'दंगल' में निभाया था फातिमा के पिता का रोल

जब फातिमा को कास्ट किया गया, तो एक और चिंता पैदा हुई ङ्क उनकी ऑन-स्क्रीन गतिशीलता. 'दंगल' में उनके पिता की भूमिका निभाने के बाद, आमिर से अब उनके प्रेमी की भूमिका निभाने की उम्मीद की जा रही थी. डायरेक्टर ने रोमांटिक कहानी को पूरी तरह से हटाने का फैसला किया. उनका कहना था, हम आपके और उनके बीच कोई रोमांटिक ट्रैक नहीं रखेंगे क्योंकि दंगल में वह आपकी बेटी थी, वह यहां आपकी प्रेमिका की भूमिका कैसे निभा सकती है ? दर्शक इसे अस्वीकार कर देंगे.

मैं असल में थोड़ी उसका बाप हूं- आमिर

लेकिन आमिर इस तर्क से पूरी तरह असहमत थे. उन्होंने कहा, मैं इन सब बातों पर यकीन नहीं करता. मैं असल में थोड़ी उसका बाप हूं, और असल में मैं उसका ब्वॉयफ्रेंड हूं. हम लोग फिल्म बना रहे हैं भाई. दर्शक इतने मूर्ख नहीं हैं कि वे सोचेंगे कि वह असली पिता है. अगर हम ऐसा कहते हैं तो हम अपने दर्शकों को कम आंक रहे हैं.

12वीं क्लास में ही हीरोइन बन गई थीं माधुरी दीक्षित, फिर देखे थे इतने बुरे दिन

माधुरी दीक्षित न सिर्फ अपने दौर की बल्कि भारतीय सिने इतिहास की सबसे पसंदीदा और कामयाब एक्ट्रेस में से एक रही हैं. अपनी एक्टिंग के साथ ही माधुरी ने फैंस के दिलों पर अपनी खूबसूरती और डांस से भी राज किया था. 90 के दशक तक माधुरी स्टार बन चुकी थीं. हालांकि अपने करियर की शुरुआत उन्होंने 80 के दशक के बीच में ही कर दी थी. लेकिन, सफलता पाने के लिए शुरुआती चार-पांच सालों तक संघर्ष करना पड़ा था.

माधुरी दीक्षित को 'धक धक गर्ल' के नाम से भी जाना जाता है. साल 1984 में उन्होंने अपना डेब्यू किया था. माधुरी स्कूल के दिनों के दौरान ही एक्ट्रेस बन गई थी. शुरू से ही कथक में माहिर रहीं माधुरी को बतौर एक्ट्रेस बॉलीवुड में शुरुआती समय में ज्यादा दिक्कतें नहीं हुईं, लेकिन उन्हें पहचान मिलने में लंबा वक्त लग गया था. उनकी शुरुआती 6 फिल्में एक के बाद एक टिकट खिड़की पर पिट गई थीं.

12वीं क्लास में की डेब्यू फिल्म की शूटिंग

58 साल की माधुरी दीक्षित का जन्म 15 मई 1967 को मुंबई में हुआ था. माधुरी ने बॉलीवुड में डेब्यू साल 1984 की फिल्म 'अबोध' से किया था. इसकी शूटिंग उन्होंने 12वीं क्लास की एग्जाम के बाद गर्मियों की छुट्टी में की थी. लेकिन, करियर की शुरुआत में ही उनका सामना अपने सबसे बुरे दिनों से हो गया था.

लगातार फ्लॉप हुईं 6 फिल्में

माधुरी दीक्षित की पहली फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अपना जलवा नहीं बिखेर सकी. हालांकि उनके अभिनय को लोगों ने पसंद किया था. फ्लॉप का सिलसिला आगे की चार फिल्मों के साथ भी जारी रहा. डेब्यू पिक्चर के पीटने के बाद माधुरी की चार और फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर दम तोड़ दिया था. इनमें 'स्वाति', 'मानव हत्या', 'हिफाजत', 'आवारा बाप' और 'उत्तर दक्षिण' शामिल हैं.

'दयावान' और 'तेजाब' ने दिलाई पहचान

लगातार 6 फ्लॉप का मुंह देखने के बाद माधुरी की झोली में एक के बाद एक दो बड़ी फिल्में गिरी थीं. एक थी 'दयावान' और दूसरी थी 'तेजाब'. दोनों को ही बॉक्स ऑफिस पर सफलता मिली. दयावान में उन्होंने उम्र में 21 साल बड़े विनोद खन्ना के साथ काम किया था. ये सुपरहिट थी. वहीं तेजाब ब्लॉकबस्टर निकली, जिसमें उन्होंने अनिल कपूर के साथ काम किया. इसके बाद माधुरी स्टार और फिर सुपरस्टार भी कहलाईं.

ऐश्वर्या-अमिताभ और जया बच्चन के साथ एक घर में रहने पर अभिषेक का खुलासा, कहा- महसूस नहीं हुआ...

अभिषेक बच्चन, जिन्होंने हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में अपने 25 साल पूरे किए हैं, फिलहाल वह अपनी अगली फिल्म कालीधर लापता की रिलीज को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं. इस फिल्म का प्रीमियर 4 जुलाई, 2025 को ZEEz पर होगा. अभिषेक अपनी फिल्म को लगातार प्रमोट करते हुए नजर आ रहे हैं. वहीं जूम को दिए इंटरव्यू के दौरान एक्टर ने अपनी फैमली लाइफ और इनटेंस किरदारों को निभाते हुए इमोशन्स को बैलेंस करने के बारे में बताया.जहां कई अभिनेता किरदार में ढलने के लिए खुद को एकांत में डुबो लेते हैं, वहीं अभिषेक थोड़ा अलग रास्ता अपनाते हैं. उन्होंने कहा, मैंने कभी भी खुद को खोया हुआ या हर चीज़ से दूर जाने की ज़रूरत महसूस नहीं की. मैं लोगों से मिलने-जुलने वाला व्यक्ति हूं. मेरे पास ऐसे पल होते हैं जब मुझे अपने एकांत की ज़रूरत होती है. यह एक अभिनेता के लिए बहुत ज़रूरी है. लेकिन ज़्यादा समय के लिए नहीं. मुझे बात करने के लिए किसी की ज़रूरत होती है.

ज्वाइंट फैमली में साथ रहना कैसा होता है ?

अभिषेक एक स्टार-स्टडेड ज्वाइंट फैमली में रहते हैं, जिसमें उनकी पत्नी ऐश्वर्या राय बच्चन, पिता अमिताभ बच्चन, माँ जया बच्चन और बेटी आराध्या बच्चन शामिल हैं. जब उनसे घर की गतिशीलता के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने एक मनोरंजक लेकिन व्यावहारिक बात कही यह मज़ेदार है. मेरा घर बहुत मज़ेदार है, और हम सभी एक्टर्स हैं. हम सभी एक साथ घूमना पसंद करते हैं, और फिर अचानक हर कोई अपने पर्सनल स्पेस पर वापस चला जाता है.

मैं अकेला नहीं रहना चाहता- अभिषेक

एक्टर ने आगे कहा, यह स्वाभाविक रूप से आता है क्योंकि अभिनेताओं के लिए खुद के साथ समय बिताना और खुद को जानना महत्वपूर्ण है. आत्म-खोज एक ऐसी चीज है जो हम शायद ही कभी करते हैं. यह आवश्यक है, लेकिन मैं कभी भी अकेला नहीं रहना चाहता.

अभिषेक, जिन्होंने 2000 में करीना कपूर के साथ रिफ्यूजी में अपनी शुरुआत की थी, वह इस वक्त कई मुश्किल-मुश्किल किरदार निभाते हुए नजर आ रहे हैं. कालीधर लापता, एक मनोरंजक थ्रिलर फिल्म है. इसके ट्रेलर को दर्शकों ने काफी पंसंद किया है. अब इसकी डिजिटल रिलीज़ का बेसब्री से इंतज़ार हो रहा है.

बिरसा टाइम्स देश का सर्वाधिक प्रसारित रविवारीय अखबार है। अपनी खोजपूर्ण तथा विश्लेषणात्मक खबरों के कारण बिरसा टाइम्स ने मीडिया- जगत में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई हैं। वर्ष 1980 से शुरू हुआ बिरसा टाइम्स का सफरनामा इसके पाठकों के निरंतर स्नेह और समर्थन के चलते आज भी उसी तेवर के साथ जारी हैं।

रॉंची और दिल्ली के साथ-साथ
अब
बिहार, छत्तीसगढ़ तथा उड़ीसा
से
प्रकाशित होने जा रहा है।

बिरसा टाइम्स

देश का सर्वाधिक प्रसारित नंबर-1 रविवारीय अखबार

जन सम्पर्क विभाग में विशाल भ्रष्टाचार का वट वृक्ष

विशेष संवाददाता द्वारा

"जब झारखंड और बिहार एक साथ था तब पांडे अपने पिता के साथ पटना में महावीर मंदिर में साफ-सफाई का काम करता था और पांडे जी के पिता मंदिर के सचिव आईपीएस स्वर्गीय आचार्य किशोर कुणाल जी के घर पर पूजा पाठ करते थे एवं महावीर मंदिर में भी काम करते थे और उसी समय अवधेश पांडे बिहार सरकार में दैनिक मजदूर में बहाली लेकर धीरे-धीरे आई इ एस पदाधिकारी के घर पर कप-प्लेट साफ कर प्रभारी निदेशक तक पहुंच गए! श्री पांडे को हिंदी और अंग्रेजी में एक लाइन भी लिखने नहीं आता था! इनका सारा का सारा फाइल का काम के नीचे वाले अधिकारी लिखते थे और इस काम में उप निदेशक श्री शालिनी वर्मा और वर्तमान में बोकारो के उपायुक्त श्रीअजय नाथ झा सारा फाइल का काम करते थे! दोनों के दोनों से पांडे के कार्यालय से लेकर आवास तक 11:00 बजे रात तक गुरु मंत्र लेते रहते थे और इसमें अपनी कुशलता से श्री झा ने उपायुक्त पद पर पहुंच गए! ऐसे पांडे कभी भी अपनी पत्नी को अपने आवास में नहीं रखते थे और पांडे के समय में सिर्फ सिर्फ उसके पिता ही रहते थे और श्री पांडे के समय में जनसंपर्क विभाग में भ्रष्टाचार का पेड़-पौधा लगना! शुरू हुआ और अब वर्तमान में जनसंपर्क विभाग में भ्रष्टाचार का बड़ा बरगद का पेड़ ले चुका है।

बिरसा टाइम्स देश का विश्वास पत्रकारिता के उन मूल्यों में हैं जो आम आदमी की चिंताओं और सरोकारों को आवाज देते हैं। इसीलिए बिरसा टाइम्स लोगो के बीच इस लम्बी यात्रा में भी अपनी विश्वसनीयता बरकरार रखने में कामयाब रहा है। अपने खास कंटेंट, गंभीर राजनैतिक विश्लेषण, अलग अंदाज और सुन्दर छपाई के चलते बिरसा टाइम्स को सम्मान-जनक स्थान मिला हैं। शायद इसीलिए बिरसा टाइम्स के पाठक वे युवा और संवेदनशील लोग हैं जो न केवल देश के बारे में सोचते हैं बल्कि देश के लिए कुछ करने का जज्बा भी रखते हैं।

सत्य और निष्पक्ष समाचारों के लिए पढ़ें!

सम्पर्क सूत्र :-

aadivasiexpress@gmail.com
birsatimes@gmail.com

8084674042

6202611859
8084674042